www.railsamacharbureauald.com

सम्पूर्ण भारतीय रेल जगत का प्रथम पाक्षिक, प्रयागराज से प्रकाशित

रेल समाचार ब्यूरो

सन् 1990 से रेल सेवा में समर्पित

तकनीक के संग, विकास के पथ पर–
बदलाव की मिसाल है भारतीय रेल

भाप से बुलेट तक, भारतीय रेल ने
समय के साथ खुद को बदला है

वर्ष–35 अंकः09 रेल समाचार ब्यूरो प्रयागराज 01–15 मई 2025 पृष्ठ 08 मूल्यः20 रु. मात्र + डाक खर्च (रंगीन सहित)

प्रधानमंत्री मोदी ने मधुबनी से दिखाई विकास की रफ्तार

तीन नई रेल लाइनें राष्ट्र को समर्पित, बिहार को मिली चार नई ट्रेनों की सौगात

बीता दशक, भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर का दशक रहा है –
प्रधानमंत्री

सूत्र/रे.स.ब्यू- माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने दिनांक 24.04.2025 को मधुबनी जिला के लोहना में आयोजित कार्यक्रम से रेलवे की तीन नवनिर्मित रेल लाइनें राष्ट्र को समर्पित किया तथा बिहार को चार नई ट्रेनों की सौगात दी। जिन ट्रेनों को माननीय प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, उनमें जयनगर-पटना नमो भारत रैपिड रेल और सहरसा-लोकमान्य तिलक अमृत भारत एक्सप्रेस तथा दो पैसेंजर ट्रेनें शामिल हैं। नमो भारत रैपिड रेल के बारे में विस्तार से बताते हुए रेलवे बोर्ड के सूचना एवं प्रचार के कार्यकारी निदेशक दिलीप कुमार ने पत्रकारों को बताया कि दो शहरों के बीच तेज रफ्तार, आधुनिक सुविधाओं से युक्त रेल ट्रांसपोर्ट का सपना अब हकीकत बन गया है। नमो भारत रैपिड रेल अमृतकाल में भारतीय रेल के विकास का नया सारथी है। यह ट्रेन इंटरसिटी ट्रैवल के लिए देश के अंदरूनी इलाकों में स्थानीय लोगों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त सफर की गारंटी देती है। उन्होंने बताया कि नमो भारत रैपिड रेल मॉडर्न सुविधाओं से लैस है। यह इंटरसिटी ट्रेन जयनगर को पटना से जोड़ेगी। 16 कोच में 2000 से ज्यादा यात्री क्षमता के साथ इस ट्रेन का संचालन बिहार के विकास को नई रफ्तार देने वाली है। यह ट्रेन जयनगर से पटना के बीच मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर, बेगूसराय, मोकामा और पटना जिला को कनेक्ट करेगी। अहमदाबाद-भुज के बाद यह देश की दूसरी 'नमो भारत' रैपिड रेल सेवा है। इससे दो शहरों के बीच न केवल दूरी कम होगी बल्कि बिहार के सपनों को भी नई उड़ान मिलेगी।

> नमो भारत रैपिड रेल तेज एक्सेलरेशन और आधुनिक ब्रेकिंग सिस्टम से लैस है। इसके दोनों सिरों पर ड्राइविंग कैब्स होने के कारण इसे टर्नअराउंड की जरूरत नहीं होगी, जिससे समय की बचत होगी। नमो भारत पूरी तरह से एयर कंडीशन्ड है और इसमें एर्गोनॉमिकली डिजाइन की गई सीटें लगी हैं। ट्रेन में वैक्यूम आधारित मॉड्यूलर टॉयलेट, दिव्यांग अनुकूल शौचालय और डस्ट-प्रूफ सील्ड गैंगवे भी हैं, जिससे ट्रेन का सफर अधिक स्वच्छ, सुलभ और शांतिपूर्ण बनता है।

इस ट्रेन की एक खासियत इसका 'कवच' सुरक्षा सिस्टम से लैस होना है। इसके हर कोच में सीसीटीवी कैमरे, फायर डिटेक्शन सप्रेशन सिस्टम और आपातकालीन टॉक-बैक सिस्टम सुरक्षित सफर का आश्वासन देते हैं। ट्रेन के कोच ऑटोमैटिक दरवाजों के साथ सेमी-परमानेंट कपलर्स से युक्त हैं, जो यात्रियों को झटके का अनुभव नहीं होने देते। इससे तेज गति का सफर सुगम और सुरक्षित रहता है। इस ट्रेन में रूट-मैप इंडिकेटर भी हैं, जो हर स्टेशन की जानकारी देंगे। यह सुविधा ओपन लाइन रेलवे में पहली बार दी जा रही है। सहरसा और लोकमान्य तिलक के बीच चलाई गई अमृत भारत एक्सप्रेस के बारे में बताते हुए रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक ने कहा कि अमृत भारत 2.0 ट्रेन भारतीय रेल की आधुनिक पहल है। यह ट्रेन आम यात्रियों को कम किराए में बेहतर सुविधा, आराम और स्वदेशी तकनीक का अनुभव देती है। इस ट्रेन को विशेष रूप से मिडिल क्लास और अंत्योदय के लिए डिजाइन किया गया है। इसके कोच पूरी तरह से भारत में बने हैं और आत्मनिर्भर भारत की भावना को और मजबूती देते हैं। अमृत भारत ट्रेन सुविधाजनक है। इसका लुक और डिजाइन भी अत्यंत आकर्षक है। ये किसी प्रीमियम ट्रेन जैसा अनुभव देती है। रेलवे की यह कोशिश है कि आम आदमी भी शान और आराम के साथ यात्रा कर सके और इसी सोच के साथ यह ट्रेन शुरू की गई है। पर्यावरण के प्रति सजगता, ऊर्जा की बचत और यात्रियों की सुविधा-ये तीनों पहलू इस ट्रेन की पहचान हैं। यह ट्रेन देश के विकास की नई रफ्तार और बदलते भारत की झलक है। अमृत भारत एक्सप्रेस की सेफ्टी फीचर्स के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि अमृत भारत 2.0 ट्रेन में सुरक्षा और तकनीकी दृष्टिकोण से कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कपलर में क्रैश ट्यूब और EP-असिस्टेड ब्रेक सिस्टम की सुविधा दी गई है, जिससे तेजी से ब्रेक लग सकेगा।

> यह पूरी तरह से सील्ड गैंगवे और वैक्यूम एवैक्यूएशन सिस्टम से लैस है। हर कोच में टॉक-बैक यूनिट तथा गार्ड रूम में रिस्पॉन्स यूनिट से यात्रियों की सुरक्षा को और मजबूत किया गया है। गैर-एसी कोचों में पहली बार फायर डिटेक्शन सिस्टम की सुविधा यात्रियों की सुरक्षा में नई क्रांति है।

अमृत भारत 2.0 के साथ भारतीय रेल में पहली बार ट्रेन में सेमी-ऑटोमैटिक कपलर का उपयोग किया गया है, जिससे ट्रेन जुड़ते या अलग होते वक्त झटका नहीं लगता और ना ही आवाज आती है। इसमें लगा डिफॉर्मेशन ट्यूब किसी टक्कर की स्थिति में झटका कम कर देता है, जिससे यात्रियों की सुरक्षा बढ़ती है।

2028 तक हम बुलेट ट्रेन में यात्रा कर सकेंगे– मुख्यमंत्री फडणवीस

सूत्र/रे.स.ब्यू- महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि जापान की साझेदारी से बन रही मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना वर्ष 2028 तक पूरी हो जाएगी। इस बहुप्रतीक्षित योजना की लागत लगभग 15 अरब अमेरिकी डॉलर आंकी गई है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि राज्य सरकार अधोसंरचना क्षेत्र में बड़े निवेश को आकर्षित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 50 अरब डॉलर जुटाने की योजना बना रही है, जिसकी औपचारिक घोषणा आगामी चार महीनों में की जाएगी। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के दो वर्षों के दौरान इस परियोजना की गति धीमी पड़ी थी, लेकिन अब इसका कार्य प्रगति पर है और पूरी तेजी से आगे बढ़ रहा है। फडणवीस ने विश्वास जताया, ''हम 2028 तक बुलेट ट्रेन से सफर कर पाएंगे।''गुजरात की तुलना में परियोजना की प्रगति को लेकर मुख्यमंत्री ने स्वीकार किया कि पड़ोसी राज्य इस दिशा में महाराष्ट्र से आगे है। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य के सकल घरेलू उत्पाद को एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने के लिए अधोसंरचना विकास अहम कड़ी है। अपने पहले कार्यकाल (2014-2019) का उल्लेख करते हुए फडणवीस ने बताया कि उस दौरान राज्य में अधोसंरचना परियोजनाओं में करीब 30 अरब डॉलर का निवेश किया गया था, और अब उससे भी बड़े स्तर पर निवेश किया जा रहा है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि पालघर जिले में प्रस्तावित वधावन बंदरगाह अगले तीन से चार वर्षों में शुरू हो जाएगा, जिससे लॉजिस्टिक लागत में उल्लेखनीय कमी आएगी। साथ ही, नासिक से वधावन को जोड़ने वाला राजमार्ग 17 जिलों को इस बंदरगाह से जोड़ेगा। फडणवीस ने यह भी कहा कि मुंबई और महाराष्ट्र, भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा (IMEC) में एक प्रमुख भूमिका निभाएंगे और राज्य सरकार इस अंतरराष्ट्रीय परियोजना की सफलता के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने को प्रतिबद्ध है।

> नागपुर से गोवा को जोड़ने वाले शक्तिपीठ राजमार्ग के निर्माण का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह परियोजना राज्य के पिछड़े क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करेगी।

Scanned with OKEN Scanner

राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स सेमिनार 2025 का आयोजन

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री हितेंद्र मल्होत्रा (सदस्य परिचालन और व्यवसाय विकास, रेलवे बोर्ड), श्री संजय स्वरूप (सीएमडी, कॉनकॉर) ने किया।

सूत्र/रे.स.ब्यू-सेंटर फॉर ट्रांसपोर्टेशन रिसर्च एंड मैनेजमेंट (CTRAM) ने अंबेडकर भवन, नई दिल्ली में अपने प्रमुख राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स सेमिनार 2025 का आयोजन करते किया। इस सेमिनार में सरकार और उद्योग के प्रमुख लोगों को एक मंच पर लाया गया, ताकि सीमेंट, ऑटोमोबाइल और कार्गो एग्रीगेशन लॉजिस्टिक्स और रेल गुणांक बढ़ाने की संभावना पर विशेष ध्यान देने के साथ भारत में लॉजिस्टिक्स के उभरते परिदृश्य पर चर्चा की जा सके। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री हितेंद्र मल्होत्र (सदस्य परिचालन और व्यवसाय विकास, रेलवे बोर्ड), श्री संजय स्वरूप (सीएमडी, कॉनकॉर) और CTRAM के वरिष्ठ अधिकारियों ने किया। सेमिनार की शुरुआत CTRAM नेतृत्व और प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों के संबोधन से हुई। प्रारंभिक टिप्पणियों में, वक्ताओं ने लॉजिस्टिक्स में रेल की घटती हिस्सेदारी पर प्रकाश डाला, भू-राजनीतिक व्यवधानों, एक गतिशील कारोबारी माहौल और बदलती उपभोक्ता प्राथमिकताओं से संबंधित विभिन्न चुनौतियों के संबंध में चर्चा की। डिजिटलीकरण, नवाचार और स्थिरता पर बल देने के माध्यम से रेल की बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने के अवसरों पर भी चर्चा की गई। रेल की भूमिका को बढ़ाने और मल्टीमॉडल एकीकरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण पहलों में समर्पित माल गलियारों की स्थापना, रेलवे के बुनियादी ढांचे में सुधार के उद्देश्य से पर्याप्त निवेश और एक लाख से अधिक नए वैगनों का प्रयोग प्रारंभ करना शामिल है। पहला सत्र सीमेंट लॉजिस्टिक्स पर केंद्रित था, जिसमें इस क्षेत्र में भविष्य के रुझानों और नवाचारों पर चर्चा की गई। सीएलओ, अल्ट्राटेक सीमेंट, सीएलओ, अदानी सीमेंट और एमडी, सीडब्ल्यूसी जैसी कंपनियों के उद्योग के प्रमुखों ने कुशल सीमेंट लॉजिस्टिक्स में वेयरहाउसिंग की आवश्यक भूमिका के साथ-साथ टिकाऊ सीमेंट लॉजिस्टिक्स हासिल करने और सेक्टर के कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की रणनीतियों पर विचार किया गया। 600 MTPA की वर्तमान क्षमता और 65% क्षमता पर परिचालन के साथ, सीमेंट क्षेत्र में महत्वपूर्ण सरकारी पूंजीगत व्यय द्वारा संचालित वार्षिक मांग में वृद्धि होने की संभावना है। रेल परिवहन की हिस्सेदारी को मौजूदा 10% से बढ़ाकर 25% करना, विशेष रूप से थोक सीमेंट परिवहन में, लागत दक्षता हासिल करने और उत्सर्जन को कम करने के लिए महत्वपूर्ण होगा। इन उद्देश्यों को समर्थन देने के लिए विभिन्न उपायों पर चर्चा की गई, जिसमें मौजूदा नीतियों का सरलीकरण, उपभोक्ता परामर्श, एलटीटीसी अनुबंधों को अपनाना और वैगन डिजाइन में सुधार शामिल हैं। ऑटोमोबाइल लॉजिस्टिक्स पर दूसरा सत्र (मारुति सुजुकी, एसआईएएम, एपीएल लॉजिस्टिक्स वैस्कॉर, जीएटीएक्स इंडिया के प्रतिनिधि) बुनियादी ढांचे के विकास और निवेश रणनीतियों, टिकाऊ पर्यावरण के अनुकूल, पहले मील और अंतिम मील कनेक्टिविटी और क्षेत्र में अभिनव वैगन डिजाइन की आवश्यकता पर केंद्रित था। चर्चा में ऑटोमोबाइल लॉजिस्टिक्स में रेल की हिस्सेदारी को दस वर्षों में 5% से बढ़ाकर 10% करने से लेकर एसयूवी की बढ़ती ऊंचाई को समायोजित करने के लिए वाहकों के नए डिजाइन तक शामिल थे, जो डबल स्टैकिंग में चुनौतियां पैदा कर रहे थे। समर्पित माल गलियारों का उपयोग बढ़ाना और समर्पित ऑटो हब को बढ़ावा देना, प्रभावी लॉकिंग के माध्यम से कार्गो सुरक्षा और एनएमजी की उपलब्धता सुनिश्चित करना कुछ ऐसे समाधान थे जिन पर चर्चा की गई। अंतिम सत्र कार्गो एग्रीगेशन और बीओजी पर आधारित था। इसने भारतीय रेलवे की कमोडिटी बास्केट (अमेजॅन, नेस्ले, एवीजी लॉजिस्टिक्स, एसीटीओ) का विस्तार करने के उद्देश्य से कार्गो एकत्रीकरण रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित किया। 2021-22 के फ्रेट इकोसिस्टम में बीओजी हिस्सेदारी 40% थी, लेकिन रेल गुणांक केवल 6% था, जो 2024-25 में केवल 8% तक बढ़ गया। अमेजन इंडिया, नेस्ले और लॉजिस्टिक्स विशेषज्ञों के उद्योग के नेताओं ने पारगमन समय में आश्वासन, युक्तिसंगत दरों और मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स योजना के माध्यम से संचालन की विश्वसनीयता के महत्व पर चर्चा का नेतृत्व किया, जिसे एकत्रीकरण में संबोधित करने की क्षमता है। पार्सल के ऑनलाइन भुगतान, व्यवस्थित कार्गो फ्रेट प्रबंधन, वेयरहाउसिंग सुविधाओं आदि की सुविधा के लिए प्रौद्योगिकी को एक प्रमुख प्रवर्तक होने का श्रेय दिया गया था। मल्टीमॉडल एकीकरण को बेहतर बनाने के लिए बाइमॉडल तकनीक की अवधारणा पर भी चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार, कार्बन फुटप्रिंट को कम करने और थोक एवं बीओजी परिवहन में रेल की हिस्सेदारी में सुधार के लिए नीति समन्वय, बुनियादी ढांचे के विकास, डिजिटलीकरण और निजी क्षेत्र के सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

उत्तर मध्य रेलवे द्वारा 223 समर स्पेशल ट्रेनों का होगा संचालन, कुल 4165 फेरे लगाए जाएंगे।

सूत्र/रे.स.ब्यू- उत्तर मध्य रेलवे द्वारा इस समर सीजन में कुल 223 समर स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है, जो यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अब तक अप्रैल माह में इन ट्रेनों द्वारा 1280 फेरे सफलतापूर्वक लगाए जा चुके हैं। मई माह में इन समर स्पेशल ट्रेनों का संचालन बढ़ाते हुए कुल 1491 फेरे लगाए जाएंगे। जून माह में भी इन ट्रेनों द्वारा 1371 फेरे सफलतापूर्वक संचालित किए जाएंगे। इस प्रकार, अप्रैल, मई और जून तीनों महीनों में कुल 4165 फेरे लगाए जाएंगे। उत्तर मध्य रेलवे की यह पहल यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने के साथ-साथ सुरक्षित, समयनिष्ठ और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए की गई है। उत्तर मध्य रेलवे अपने उच्च स्तरीय सेवा मानकों को बनाए रखते हुए आगे भी यात्रियों को बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यात्रियों से अनुरोध है कि असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा NTES/139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी पता करके तदनुसार यात्रा प्रारम्भ करें।

केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन के महाप्रबंधक ने डीएफसीसीआईएल के संचालन नियंत्रण केंद्र, प्रयागराज में तकनीकी प्रगति की सराहना।

सूत्र/रे.स.ब्यू- केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन (कोर) के महाप्रबंधक श्री संजय कुमार श्रीवास्तव ने डीएफसीसीआईएल, प्रयागराज के परिचालन नियंत्रण केंद्र (ओसीसी) का निरीक्षण किया। कोर, प्रयागराज में कार्यभार संभालने के बाद यह उनका पहला आधिकारिक दौरा था। निरीक्षण के दौरान, श्री श्रीवास्तव ने दैनिक रेल परिचालन में लागू किए गए विभिन्न कठोर और उन्नत सुरक्षा उपायों की गहन समीक्षा की। उन्होंने परिचालन, इंजीनियरिंग, सिग्नलिंग और दूरसंचार, ट्रैक्शन और रोलिंग स्टॉक (टीआरएस) तथा ट्रैक्शन पावर कंट्रोल (टीपीसी) टीम के अधिकारियों से बातचीत की और सुरक्षित एवं कुशल रेल यातायात सुनिश्चित करने में उनके समर्पित प्रयासों की भी सराहना की।

प्रदर्शित प्रमुख तकनीकी विशेषताएँ:

- श्री श्रीवास्तव डीएफसीसीआईएल द्वारा अपनाई गई 2X25 केवी ट्रैक्शन पावर प्रणाली से विशेष रूप से प्रभावित हुए, जो भारतीय रेलवे में माल ढुलाई गलियारों के लिए अपनी तरह की पहली प्रणाली है।
- महाप्रबंधक ने कहा कि लगभग 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित स्टेशनों और उच्च ट्रेन घनत्व (एक सेक्शन में एक साथ 10-12 मालगाड़ियाँ) के साथ, यह तकनीक ट्रांसमिशन घाटे को काफी कम करती है और चलती ट्रेनों को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करती है।
- स्वचालित सेक्शनिंग और फीडर नियंत्रण तंत्र को उच्च गति वाले माल ढुलाई के लिए एक वरदान के रूप में वर्णित किया गया, जो परिचालन की विश्वसनीयता और थ्रूपुट को बहुत बढ़ाता है।

भारतीय रेलवे के भविष्य के दृष्टिकोण के लिए प्रासंगिकता:

- महाप्रबंधक ने कहा कि डीएफसीसीआईएल द्वारा 2X25 केवी तकनीक का सफल कार्यान्वयन भारतीय रेलवे के लिए मूल्यवान जानकारी प्रदान कर सकता है, विशेष रूप से 160 किमी/घंटा तक की गति से ट्रेन संचालन को सक्षम करने की आगामी योजनाओं के संदर्भ में।
- डीएफसीसीआईएल द्वारा उपयोग की जाने वाली तकनीकी जानकारी, बुनियादी ढांचे का डिजाइन और परिचालन रणनीतियाँ, कोर के दायरे में भविष्य के विद्युतीकरण और गति वृद्धि परियोजनाओं के लिए अत्यधिक प्रासंगिक हैं।

आगरा मंडल में रेल पटरियों की सुरक्षा को मिला डिजिटल कवच, USFD तकनीक से संरक्षा सुदृढ़

डिजिटल डेटा संग्रहण, विश्लेषण और त्वरित कार्यवाही से संरक्षा को मिल रहा नया आयाम

सूत्र/रे.स.ब्यू- मंडल रेल प्रबंधक श्री तेज प्रकाश अग्रवाल के मार्गदर्शन में आगरा रेल मंडल द्वारा यात्री सुविधाओं के साथ-साथ रेल बुनियादी ढांचे के ढ़ीकरण की दिशा में लागतार कार्य किए जा रहे है इसी क्रम में आगरा मंडल में रेल पटरियों की आंतरिक संरचना की सूक्ष्म जांच के लिए अल्ट्रासोनिक फ्लॉडिटेक्शन (USFD) तकनीक का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है। यह नवीनतम तकनीक रेल की पटरियों में समय के साथ उत्पन्न होने वाले आंतरिक दोषों को प्रारंभिक अवस्था में ही चिन्हित कर लेती है, जिससे आवश्यक अनुरक्षण कार्य समय पर पूरा किया जा सके और यात्री व मालगाड़ियों का परिचालन पूरी तरह सुरक्षित और संरक्षित रह सके। आगरा मंडल में वर्तमान में लगभग 1341 किलोमीटर ट्रैक की नियमित रूप से USFD मशीनों द्वारा जांच की जा रही है। इस जांच की आवृत्ति ट्रेनों के आवागमन के घनत्व (GMT) पर आधारित होती है और मंडल के विभिन्न सेक्शनों में प्रत्येक दो से चार माह में ट्रैक की जाँच की जाती है। मंडल में वर्तमान में कुल 10 USFD टीमों का गठन किया गया है, जिनमें 15 प्रशिक्षित इंजीनियर कार्यरत हैं। ये सभी इंजीनियर बी-स्कैन USFD मशीनों से लैस हैं, जो ट्रैक की आंतरिक स्थिति को डिजिटल रूप में दर्ज कर तुरंत विश्लेषण की सुविधा प्रदान करती हैं। वेल्ड की सटीक जांच हेतु सभी टीमों को डिजिटल वेल्ड टेस्टर भी प्रदान किए गए हैं, जिससे वेल्डिंग खामियों का सटीकता से पता लगाया जा सके। ट्रैक जांच के दौरान संपूर्ण कार्य का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जाता है, जिसे विश्लेषण कर आवश्यक कार्रवाई की जाती है। वर्ष 2024-25 में मंडल के स्तर पर 7058.5 किलोमीटर ट्रैक, 42456 वेल्ड, 4103 टर्नआउट और 4399 स्वीच एक्सपेंशन जॉइंट्स की सूक्ष्मता से जांच की गई। इस जांच के दौरान विभिन्न नए फ्लॉ चिन्हित किए गए, जिनकी तत्काल मरम्मत कर दी गई, जिससे ट्रेनों के संचालन में कोई व्यवधान न आए और संरक्षा मानकों का पूर्ण पालन हो सके। आगरा मंडल के USFD इंजीनियरों को समय-समय पर आरडीएसओ लखनऊ एवं इरिसेन पुणे जैसे संस्थानों में विशेषज्ञ प्रशिक्षण हेतु भेजा जाता है, ताकि वे नवीनतम तकनीकी मानकों के अनुरूप कार्य कर सकें और संरक्षा में निरंतर सुधार किया जा सके AUSFD तकनीक आज भारतीय रेलवे की संरक्षा प्रणाली का एक अविभाज्य अंग बन चुकी है। यह न केवल ट्रैक की विश्वसनीयता और स्थायित्व को सुनिश्चित करती है, बल्कि समय रहते खतरों की पहचान कर संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम में भी सहायक सिद्ध हो रही है। आगरा मंडल इस तकनीक के कुशल क्रियान्वयन से ट्रेनों के संरक्षित संचालन की दिशा में लगातार सफलताएं अर्जित कर रहा है।

रेलवे बोर्ड के सदस्य (संचालन और व्यवसाय विकास) का जयपुर दौरा

डीएफसीसीआई (समर्पित माल ढुलाई गलियारा) के न्यू फुलेरा स्टेशन व कनकपुरा मालगोदाम का किया निरीक्षण

सूत्र/रे.स.ब्यू- श्री हितेंद्र मल्होत्रा, सदस्य (संचालन और व्यवसाय विकास) रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली ने शनिवार दिनांक 26.04.2025 को उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर का दौरा कर मुख्यालय में अधिकारियों के साथ बैठक की तथा डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया- डीएफसीसीआई (समर्पित माल ढुलाई गलियारा) के न्यू फुलेरा स्टेशन और कनकपुरा स्थित माल गोदाम का किया निरीक्षण। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शशि किरण के अनुसार श्री हितेंद्र मल्होत्रा, सदस्य (संचालन और व्यवसाय विकास) रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली ने अपने जयपुर दौर में सर्वप्रथम उत्तर पश्चिम रेलवे मुख्यालय में श्री अमिताभ, महाप्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे और परिचालन एवं वाणिज्य विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने उत्तर पश्चिम रेलवे के आय, माल लदान, व्यवसाय विकास इकाइयों के कार्यों की समीक्षा की तथा माल लदान बढ़ाने , यात्रियों की शिकायतों का समय पर समाधान करने, उत्तर पश्चिम रेलवे की आय बढ़ाने संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक के पश्चात श्री हितेंद्र मल्होत्रा ने जयपुर मंडल के कनकपुरा स्टेशन पर स्थित रेलवे माल गोदाम का भी निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को माल लदान के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके बाद श्री मल्होत्रा फुलेरा पहुंचे। वहां उन्होंने समर्पित माल ढुलाई गलियारा डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (डीएफसीसीआई) के न्यू फुलेरा स्टेशन का किया निरीक्षण। उन्होंने निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों से संवाद भी किया तथा अधिकारियों के साथ वृक्षारोपण भी किया। रेलवे बोर्ड, सदस्य के निरीक्षण के दौरान श्री मदन देवड़ा, प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक, श्री विकास पुरवार, मंडल रेल प्रबंधक/जयपुर, उत्तर पश्चिम रेलवे मुख्यालय एवं जयपुर मंडल के अधिकारी तथा डीएफसी-सीआई के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

रेल खंडों के नवीनीकरण का कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है।

सूत्र/रे.स.ब्यू- पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन द्वारा संरक्षित, सुरक्षित एवं तीव्र गति से संचालन हेतु रेल खंडों के दोहरीकरण, तीसरी लाइन, इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग, ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग तथा नवीनीकरण का कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है। पुराने रेल एवं स्लीपरों को नई रेल और उच्च क्षमता के कंक्रीट स्लीपरों से बदला जा रहा है। वित्त वर्ष 2024-25 में 197 किमी ट्रैक, 269 किमी रेल, 124 किमी स्लीपर और 187 टर्नआउट का नवीनीकरण पूरा किया गया। 259 किमी प्लेन ट्रैक और 310 टर्नआउट की डीप स्क्रीनिंग, 139 थिक वेब स्विच का प्रावधान, 167 किमी थ्रू फिटिंग का नवीनीकरण तथा पुलों पर 7,966 चौनल स्लीपर को एच-बीम स्लीपर से बदला गया। गत वर्ष 332.359 किमी रेल खंडों की गति बढ़ाई गई, जिसमें छपरा-फेफना, बकुल्हा-बलिया, कुसम्ही-गोरखपुर कैंट, बिसवाँ-सीतापुर, सादात-औड़िहार, भटनी-पिवकोल, मल्हौर-डालीगंज, छपरा-गौतमस्थान, बुढ़वल-बिसवाँ, छपरा-छपरा कचहरी (तीसरी लाइन), गोंडा कचहरी- करनैलगंज और मैलानी-शाहगढ़ (इकहरी लाइन) शामिल हैं। साथ ही 123.63 किमी प्रथम लूप टर्नआउट पर गति 30 किमी/घंटा बढ़ाई गई, जिसमें गोंडा यार्ड एल-1, पीलीभीत-शाहगढ़ और बुढ़वल-सीतापुर खंड सम्मिलित हैं। इन प्रयासों से यात्रा अधिक सुरक्षित, तेज और आरामदायक हुई है।

अत्याधुनिक मशीनों द्वारा ट्रैक मेंटेनेंस से संरक्षा और राइडिंग कम्फर्ट में उल्लेखनीय सुधार हुआ, जिसके फलस्वरूप पूर्वोत्तर रेलवे को ''संरक्षा शील्ड'' से सम्मानित किया गया।

आरेडिका के ज्ञानदा बाल मन्दिर विद्यालय में "प्ले ग्राउण्ड" का उद्घाटन

सूत्र/रे.स.ब्यू- आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना में दिनांक- 25.04.2025 आरेडिका के ज्ञानदा बाल मन्दिर विद्यालय में बच्चों के खेलने के लिए प्ले ग्राउण्ड का उद्घाटन मुख्य अतिथि आरेडिका के महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा एवं आरेडिका महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा भारती मिश्रा द्वारा किया। पार्क में बच्चों के लिए झूले, घूमने, कूदने तथा फिसलने के उपकरण एवं खिलौने लगाए गये हैं जिनसे बच्चे पढाई के साथ-साथ मनोरंजन एवं हल्का व्यायाम कर सकें। महाप्रबंधक महोदय ने अपने सम्बोधन में कहा कि, बच्चे किसी भी देश के भविष्य होते हैं जिन पर किसी देश की बुलन्द इमारत का निर्माण होता है। बच्चों के सम्पूर्ण विकास के लिए पढाई के साथ-साथ खेल-कूद भी जरूरी होते हैं, जिससे बच्चे मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वास्थ्य रहते हैं। खेलों से बच्चों के मन में खुशी के भाव उत्पन्न होते हैं जिससे उनके मन में एक सकारात्मक ऊर्जा संचार होता है। ज्ञानदा बाल मन्दिर विद्यालय की प्रधानाचार्या रीता सिंह ने अपने सम्बोधन के माध्यम से विधालय के बारे में जानकारी साझा करते हुए बताया कि इस समय विद्यालय में 270 विद्यार्थी शिक्षण लाभ प्राप्त कर रहे हैं। विद्यालय के छोटे-छोटे बच्चों द्वारा स्वागत गीत, एवं सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किया गया। महाप्रबंधक महोदय एवं आरेडिका महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा भारती मिश्रा ने ज्ञानदा बाल मन्दिर के बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए।

Scanned with OKEN Scanner

आरपीएफ महिला आरक्षक को सराहनीय कार्य के लिए महानिरीक्षक रेलवे सुरक्षा बल ने किया सम्मानित।

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक 06.03.2025 को, समय लगभग 08:00 बजे, निरीक्षक कोसीकलां द्वारा ऑफ-ड्यूटी श्रीमती रेखा, महिला कांस्टेबल, रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट कोसीकलां को सूचना दी गई कि गाड़ी संख्या 11842 से यात्रा कर रही एक गर्भवती महिला दर्द से कराह रही है। उन्हें निर्देश दिया गया कि वह 05 मिनट में वर्दी पहनकर प्लेटफॉर्म संख्या 05 पर पहुंचें। महिला कांस्टेबल रेखा द्वारा अपने आवास से आवश्यक वस्तुएं (कपड़े आदि) लेकर तुरंत प्लेटफॉर्म संख्या 05 पर पहुंचने पर देखा गया कि उक्त महिला की पहले ही डिलीवरी हो चुकी थी। चूंकि मौके पर कोई डॉक्टर या नर्स मौजूद नहीं थे, महिला कांस्टेबल ने तत्काल आरपीएफ स्टाफ को ब्लेड, कॉटन, पट्टी आदि आवश्यक सामग्री लाने हेतु भेजा, जिससे डिलीवरी की आगे की प्रक्रिया पूरी की जा सके। इसके तुरंत बाद आरपीएफ स्टाफ द्वारा एक नर्स को भी मौके पर लाया गया। महिला कांस्टेबल रेखा एवं नर्स के सहयोग से उक्त महिला की नेचुरल डिलीवरी पूर्ण कराई गई तथा जच्चा-बच्चा को सुरक्षित सिविल अस्पताल, कोसीकलां में भर्ती कराया गया। महिला आरक्षक रेखा ने समय रहते अपनी सूझबूझ, तत्परता एवं अदम्य साहस का परिचय देते हुए महिला यात्री और उसके नवजात शिशु की जान की रक्षा की। उनके इस सराहनीय कार्य के लिए महानिरीक्षक, रेलवे सुरक्षा बल, प्रयागराज-श्री अमिय नंदन सिन्हा द्वारा उन्हें उत्तर मध्य रेलवे के 'मार्च 2025 माह के सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी' के रूप में चयनित कर सम्मानित किया गया है।

महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने विभागाध्यक्षों के साथ की समीक्षा बैठक

सूत्र/रे.स.ब्यू- पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह द्वारा 29.04.2025 को मुख्यालय, हाजीपुर में विभागाध्यक्षों एवं अन्य अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की गयी। इस बैठक में पांचों मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक भी वीडियो कांफ्रेंसिग के माध्यम से जुड़े हुए थे। बैठक में महाप्रबंधक द्वारा पूर्व मध्य रेल पर चल रहे यात्री सुविधा एवं आधारभूत संरचना के विकास से जुड़े कार्यों की समीक्षा की । बैठक के दौरान रेलवे ट्रैक के रख-रखाव को प्राथमिकता देने तथा एसेट्स फेल्योर में कमी लाने पर चर्चा की गयी। महाप्रबंधक ने सभी मंडलों में विशेष टिकट जांच अभियान चलाने, विशेष संरक्षा ड्राईव चलाने तथा रेलवे ट्रैक पर कैटल रन ओवर/मैन रन ओवर को रोकने हेतु जनजागरूकता अभियान चलाने हेतु सभी मंडल रेल प्रबंधकों को निर्देशित किया। बैठक के दौरान माल लदान एवं आय बढ़ाने हेतु उठाये जा रहे कदमों पर विस्तृत चर्चा की गयी। महाप्रबंधक ने आरओबी/आरयूबी तथा स्टेशन पुनर्विकास कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया ।

अब बेंगलुरु से बेलगावी तक दौड़ेगी वंदे भारत एक्सप्रेसः कर्नाटक को मिलेगा तेज और सुलभ रेल संपर्क

सूत्र/रे.स.ब्यू- कर्नाटक में रेल संपर्क को और मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, बेंगलुरु-धारवाड़ वंदे भारत एक्सप्रेस को अब बेलगावी तक विस्तारित किया जा रहा है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस बहुप्रतीक्षित विस्तार को मंजूरी दे दी है। रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना ने इस जानकारी को X (पूर्व में ट्विटर) पर साझा किया। उन्होंने रेल मंत्री द्वारा हस्ताक्षरित पत्र भी पोस्ट किया जिसमें इस विस्तार की पुष्टि की गई है। यह सेवा जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है। इस विस्तार से बेंगलुरु और बेलगावी के बीच यात्रा न केवल तेज और आरामदायक होगी, बल्कि यात्रियों का बहुमूल्य समय भी बचेगा। यह सुविधा दैनिक यात्रियों, व्यापारिक यात्रियों और पर्यटकों के लिए विशेष रूप से लाभकारी होगी। साथ ही, यह उत्तर कर्नाटक को राज्य की राजधानी से बेहतर ढंग से जोड़ेगी, सड़क यातायात का दबाव कम करेगी और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को गति देगी।

उत्तर रेलवे और RITES के बीच हुआ समझौता, पांच प्रमुख स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन को मिलेगा नया स्वरूप

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेलवे स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन को और बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, उत्तर रेलवे और रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकोनॉमिक सर्विस लिमिटेड (RITES) के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता (MoU) किया गया है। यह समझौता नई दिल्ली, आनंद विहार टर्मिनल, गाजियाबाद, अयोध्या और वाराणसी स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन योजना और होल्डिंग एरिया संबंधी परामर्श सेवाओं को लेकर किया गया है। इस परियोजना की प्रगति तेज है और संबंधित स्टेशनों पर RITES के विशेषज्ञों और रेलवे अधिकारियों के बीच लगातार फील्ड विजिट्स और गहन तकनीकी चर्चा हो रही है। इसका उद्देश्य यात्री अनुभव को बेहतर बनाना, स्टेशन परिसर में अनावश्यक भीड़ को नियंत्रित करना और भीड़भाड़ वाले समय में सुचारू परिचालन सुनिश्चित करना है। यह साझेदारी प्रधानमंत्री गतिशक्ति योजना और अमृत भारत स्टेशन योजना जैसे बड़े रेल सुधार कार्यक्रमों को और बल प्रदान करेगी, जिससे यात्रियों को अधिक सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सुविधाजनक यात्रा अनुभव मिल सकेगा।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का होगा विश्वस्तरीय कायाकल्प, यात्रियों को मिलेंगी हाई-टेक सुविधाएं

सूत्र/रे.स.ब्यू-भारतीय रेलवे ने राजधानी के सबसे व्यस्त रेलवे स्टेशनों में से एक नई दिल्ली रेलवे स्टेशन को विश्वस्तर पर विकसित करने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। स्टेशन का पुनर्विकास चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा, जिसमें यात्रियों की सुविधा और ट्रैफिक प्रबंधन को प्राथमिकता दी गई है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत पहाड़गंज और अजमेरी गेट की ओर दो अत्याधुनिक और भव्य स्टेशन भवनों का निर्माण प्रस्तावित है। स्टेशन को आधुनिक स्वरूप देने के लिए एयर कॉनकोर्स, आरामदायक वेटिंग एरिया, साथ ही लिफ्ट और एस्केलेटर जैसी हाई-टेक सुविधाएं यात्रियों के लिए उपलब्ध कराई जाएंगी। भीड़भाड़ से निजात दिलाने के लिए स्टेशन पर एलिवेटेड और ग्राउंड रोड नेटवर्क तैयार किया जाएगा, जिससे यातायात सुगम हो सके और जाम की समस्या न हो। यात्री सुविधाओं को बढ़ाने के लिए रेलवे द्वारा 'योजना शीर्ष 53 - ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत व्यापक कार्य किया जा रहा है। वित्त वर्ष 2024-25 में इस शीर्ष के अंतर्गत ₹12,994 करोड़ (अनुमानित) का संशोधित बजटीय प्रावधान किया गया है। उत्तर रेलवे, जिसके अधीन नई दिल्ली स्टेशन आता है, को इस योजना के तहत ₹1,531-24 करोड़ (अनुमानित) का संशोधित आवंटन प्राप्त हुआ है। इस परियोजना के पूर्ण होने पर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन यात्रियों को न केवल बेहतर सुविधाएं देगा, बल्कि एक स्मार्ट और विश्वस्तरीय यात्रा अनुभव भी प्रदान करेगा।

भारत गौरव पर्यटक ट्रेन 07 जून, 2025 को गोरखपुर से प्रस्थान कर अयोध्या कैंट, प्रतापगढ़, सुल्तानपुर, प्रयागराज संगम, रायबरेली, लखनऊ, कानपुर, उरई, ललितपुर तथा वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. (झांसी) स्टेशनों पर ठहराव प्रदान करेगी।

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेल द्वारा संचालित थीम आधारित भारत गौरव पर्यटक ट्रेन 07 जून, 2025 को गोरखपुर से प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन गोरखपुर, अयोध्या कैंट, प्रतापगढ़, सुल्तानपुर, प्रयागराज संगम, रायबरेली, लखनऊ, कानपुर, उरई, ललितपुर तथा वीरांगना लक्ष्मीबाई जंक्ष (झांसी) स्टेशनों पर ठहराव देगी। यह विशेष ट्रेन 07 से 18 जून, 2025 तक 11 रात 12 दिन की यात्रा में मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग (मरकापुर), तिरुपति बालाजी मंदिर (तिरुपति), मीनाक्षी मंदिर (मदुरै), रामनाथ स्वामी मंदिर (रामेश्वरम) और कन्याकुमारी के धार्मिक स्थलों का दर्शन कराएगी। यात्र के लिए आई.आर.सी.टी.सी. की वेबसाइट www.irctctourism.com पर टिकट बुकिंग उपलब्ध है। टिकट पैकेज ₹56950/- से शुरू होता है, जिस पर ई.एम.आई. की सुविधा भी उपलब्ध है।

पूर्वोत्तर रेलवे की इस पहल से धार्मिक एवं सांस्क तिक पर्यटन को उल्लेखनीय बढ़ावा मिलेगा।

यात्रा श्रेणियाँ और किराया:

- इकॉनॉमी (शयनयान श्रेणी): वयस्क ₹24600/-, बच्चा (5-11 वर्ष) ₹23250/-
- स्टैंडर्ड (वातानुकूलित तृतीय श्रेणी): वयस्क ₹42950/-, बच्चा ₹41370/-
- कम्फर्ट (वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी): वयस्क ₹56950/-, बच्चा ₹55050/-

इस ट्रेन में कुल 767 बर्थ उपलब्ध हैं: कम्फर्ट (49), स्टैंडर्ड (70) और इकॉनॉमी (648)। पैकेज में होटल/धर्मशाला में ठहराव, सुबह की चाय, नाश्ता, दोपहर और रात्रि का शाकाहारी भोजन शामिल है। यात्रा के दौरान आई.आर.सी.टी.सी. के मैनेजर यात्रियों की सहायता के लिए उपस्थित रहेंगे।

यात्रियों से अनुरोध है कि असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा NTES/139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी पता करके तदनुसार यात्रा प्रारम्भ करें।

भारतीय रेल के लिए डिजाइन करें डिजिटल क्लॉक, पाएँ 5 लाख रुपए का इनाम

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेल ने देश के सभी स्टेशनों पर नए डिजाइन के डिजिटल क्लॉक लगाने की योजना बनाई है जिसके लिए डिजाइन बनाने हेतु एक राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। रेलवे बोर्ड से प्राप्त सूचना के अनुसार सभी स्टेशनों की डिजिटल घड़ियों को मानकीकृत करने के लिए यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है जिसके तहत पेशेवर, कॉलेज एवं यूनिवर्सिटी स्टूडेंट तथा स्कूली छात्रों के लिए तीन अलग-अलग श्रेणियां बनाई गई हैं। तीनों श्रेणियों को मिलाकर भारतीय रेल में उपयोग के लिए चयनित डिजाइन बनाने वाले किसी एक विजेता को पांच लाख रुपए का प्रथम पुरस्कार दिया जाएगा। तीनों श्रेणियों में 50-50 हजार रुपए के पाँच-पाँच सांत्वना पुरस्कार भी दिए जाएंगे। इस प्रतियोगिता के तहत 1 मई से 31 मई तक प्रतिभागियों को डिजिटल घड़ी का डिजाइन ऑनलाइन माध्यम से जमा करना है। रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक (सूचना एवं प्रचार) दिलीप कुमार के अनुसार हाई रेजोल्यूशन वाली डिजाइन जिसमें वाटर मार्क या लोगो ना हो, को ईमेल के माध्यम से भेजना है और साथ में मौलिकता का प्रमाण पत्र भी प्रतिभागियों को देना है। सभी प्रतिभागियों को एक से अधिक डिजाइन जमा करने की छूट दी गई है। प्रतिभागियों को अपने डिजाइन के साथ ही डिजाइन के विषय के बारे में एक संक्षिप्त अवधारणा नोट भी जमा करना है। प्रतिभागियों को यह भी सुनिश्चित करना है कि उनका डिजाइन मौलिक है और बौद्धिक संपदा या किसी दूसरे व्यक्ति या संस्था के कॉपीराइट का उल्लंघन नहीं करता है। स्कूली छात्र कैटेगरी में 12वीं तक के छात्रों को शामिल किया गया है जिसके लिए उन्हें स्कूल का पहचान पत्र जमा करना होगा। इसी तरह कॉलेज के छात्र कैटेगरी

में वैसे लोगों को शामिल किया गया है जो किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या महाविद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर रहे हों। शेष सभी लोगों को प्रोफेशनल कैटेगरी में रखा जाएगा। प्रतिभागी अपनी प्रविष्टियां इस ईमेल के माध्यम से भेज सकते हैं: **contest.pr@rb.railnet.gov.in**

गोरखपुर में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न, उत्कृष्ट कार्य के लिए तीन संस्थान हुए सम्मानित

सूत्र/रे.स.ब्यू-महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे सुश्री सौम्या माथुर की अध्यक्षता में 'नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति' की बैठक 28 अप्रैल, 2025 को महाप्रबन्धक सभाकक्ष, गोरखपुर में सम्पन्न हुई। बैठक में गोरखपुर नगर स्थित केंद्र सरकार के कार्यालयों, निगमों एवं उपक्रमों के प्रमुख/प्रतिनिधि तथा राजभाषा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। महाप्रबन्धक ने संबोधन में कहा कि हिन्दी भारत सरकार की राजभाषा है, अतः कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी का प्रयोग शत-प्रतिशत सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने सदस्य कार्यालयों से आग्रह किया कि वे जागरूकता के साथ छोटी-छोटी कमियों को दूर करें और आगामी वर्षों में राजभाषा शील्ड प्राप्त करने का प्रयास करें। उन्होंने राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित प्रारूप में रिपोर्टें समय पर ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड करने पर भी बल दिया। बैठक में मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर श्री संजय सिंघल ने स्वागत वक्तव्य में राजभाषा प्रयोग की दिशा में सदस्यों की प्रतिबद्धता की सराहना की और आई.एम.एस. पोर्टल पर अनिवार्य पंजीकरण की जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. राजीव कुमार (क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान केन्द्र) ने केंद्र की गतिविधियों पर प्रस्तुति दी, जिसमें विशेष रूप से कर्मचारियों को उपलब्ध कराई जा रही सरकारी सुविधाओं एवं दिव्यांगजनों के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी शामिल थी। राजभाषा अधिकारी एवं वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी/मुख्यालय श्री गोपाल प्रसाद गुप्ता ने बैठक का संचालन करते हुए पिछली बैठक के निर्णयों की अनुपालन स्थिति से सदस्यों को अवगत कराया। अंत में उप मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री सुमित कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया और समिति के सदस्यों द्वारा राजभाषा हिन्दी के निरंतर प्रचार-प्रसार में दिए जा रहे योगदान की सराहना की।

इस अवसर पर महाप्रबन्धक ने क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान केन्द्र, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड एवं पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड को राजभाषा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

'सी.पी.ग्राम्स' और 'रेल मदद' से सीधे जुड़ी जनता की समस्याएं, प्राथमिकता पर हो रहा समाधान

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेलवे ने यात्रियों की संतुष्टि सुनिश्चित करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाते हुए 'सी.पी.ग्राम्स' और 'रेल मदद' पोर्टल पर प्राप्त जन परिवादों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया है। उच्च स्तरीय मॉनिटरिंग प्रणाली के फलस्वरूप यहां सभी मामलों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा से कम समय में किया जाता है। इसी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पूर्वोत्तर रेलवे को गत वर्ष भारतीय रेल स्तर पर 'रेल मदद शील्ड' और 'गोविंद वल्लभ पंत शील्ड' से सम्मानित किया गया। इस क्रम में 23 एवं 24 अप्रैल को गोरखपुर स्थित बहुविषयक पद्धति प्रशिक्षण केंद्र (एम.एस.टी.सी.) में दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 24 रेलकर्मियों को सी.पी.ग्राम्स एवं रेल मदद पोर्टल के हैंडलिंग, डेटा विश्लेषण, समयबद्ध निस्तारण, यात्री संवाद कौशल एवं फीडबैक प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया गया। रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित 10 मिनट के औसत प्रथम प्रतिक्रिया समय के विरुद्ध पूर्वोत्तर रेलवे ने वित्त वर्ष 2024-25 में केवल 4 मिनट और 2023-24 में 5 मिनट में प्रतिक्रिया दी। 'उत्कृष्ट' फीडबैक की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई -वाणिज्य विभाग में 6,218 (2024-25) बनाम 5,418 (2023-24) और विद्युत विभाग में 7,292 बनाम 6,002।

> "पूर्वोत्तर रेलवे यह सुनिश्चित कर रहा है कि न केवल शीघ्रता से बल्कि गुणवत्ता के साथ प्रत्येक परिवाद का निस्तारण हो, जिससे यात्रियों को संतोषजनक सेवा प्राप्त हो।"

Scanned with OKEN Scanner

नमामि गंगे मिशन की नई सफलता : तीन दशकों बाद गंगा नदी में छोड़े गए रेड-क्राउन्ड रूफड टर्टल

सूत्र/रे.स.ब्यू- सदियों से भारतीय सभ्यता का अभिन्न अंग रही गंगा नदी अब अपने तटों पर नए जीवन की संभावनाओं को रोशन कर रही है। कभी लुप्तप्राय कछुओं की प्रजातियों का घर रहे गंगा के तट, अब जैवविविधता संरक्षण की दिशा में सकारात्मक बदलाव का प्रतीक बन गए हैं। यह परिवर्तन विशेष रूप से लुप्तप्राय रेड-क्राउन्ड रूफ्ड टर्टल की गंगा के पानी में वापसी से स्पष्ट है। यह एक ऐसी प्रजाति है जिसकी संख्या में पहले लगातार गिरावट देखी गई थी। गंगा के जल में यह नई आशा न केवल इन प्राचीन जीवों के लिए बल्कि सम्पूर्ण इकोसिस्टम की बहाली के लिए भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

नमामि गंगे मिशन का प्रभाव

नमामि गंगे के सहयोग से, टीएसएएफआई परियोजना दल ने 2020 में हैदरपुर वेटलैंड कॉम्प्लेक्स (एचडब्ल्यूसी) में कछुओं की विविधता और प्रचुरता का विस्तृत मूल्यांकन किया और इसके बाद उत्तर प्रदेश में गंगा के तट पर प्रयागराज के पास नव निर्मित कछुआ अभयारण्य में पर्यावास मूल्यांकन का अध्ययन किया। एचडब्ल्यूसी के साथ किए गए अध्ययनों से 9 कछुओं की प्रजातियों की उपस्थिति का पता चला, जबकि प्रयागराज में 5 कछुओं की प्रजातियों के अप्रत्यक्ष साक्ष्य एकत्र किए गए। उपरोक्त तथा पूर्ववर्ती अध्ययनों में सबसे अधिक आश्चर्यजनक निष्कर्ष यह था कि रेड-क्राउन्ड रूफ्ड टर्टल (आरआरटी), बटागुर कचुगा की कोई भी व्यवहार्य संख्या या इंडिविजुअल को सम्पूर्ण गंगा में नहीं देखा गया है, न ही इसकी सूचना प्राप्त हुई है। परिणामों से पता चला कि यह पूरे उत्तर भारत, विशेषकर उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक संकटग्रस्त प्रजाति थी।

कछुओं के पुनर्वास का ऐतिहासिक प्रयास

26 अप्रैल, 2025 को राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य, उत्तर प्रदेश के भीतर और उसकी देखरेख में स्थित गढ़ैता कछुआ संरक्षण केंद्र से 20 कछुओं को सावधानीपूर्वक स्थानांतरित कर हैदरपुर वेटलैंड में छोड़ा गया। इन कछुओं की सुरक्षा और प्रवास पर नजर रखने के लिए उन्हें सोनिक उपकरणों से टैग किया गया था। पुनर्वास प्रक्रिया के लिए कछुओं को दो समूहों में विभाजित किया गया - एक समूह को हैदरपुर वेटलैंड में बैराज के ऊपर छोड़ा गया, जबकि दूसरे समूह को गंगा की मुख्य धारा में छोड़ा गया। इस दृष्टिकोण का लक्ष्य यह निर्धारित करना है कि कछुओं के पुनर्वास के लिए कौन सी विधि सबसे प्रभावी है।

आगे की राहः जैव विविधता को बहाल करना

यह पहल गंगा के इकोसिस्टम में एक ऐतिहासिक कदम है। मानसून के मौसम के दौरान, हैदरपुर वेटलैंड पूरी तरह से गंगा की मुख्य धारा से जुड़ जाएगा, जिससे कछुए अपनी गति से विचरण कर सकेंगे। अगले दो वर्षों तक इन कछुओं पर नजर रखी जाएगी। यह 'सॉफ्ट' बनाम 'हार्ड' विमोचन रणनीति के बाद इस प्रजाति को गंगा में पुनः लाने का पहला प्रयास है। इसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश वन विभाग के सक्रिय सहयोग से गंगा में इन प्रजातियों की संख्या को स्थायी तरीके से स्थापित करना है।

नमामि गंगे मिशन की सफलता का संदेश

इस महत्वपूर्ण पहल से न केवल कछुओं की प्रजाति का संरक्षण होगा, बल्कि उत्तर प्रदेश में इकोसिस्टम में भी सुधार होगा। गंगा संरक्षण के प्रयासों से पता चला है कि यदि सभी हितधारक मिलकर काम करें तो बड़ी चुनौतियों से भी पार पाया जा सकता है। नमामि गंगे मिशन पहल न केवल गंगा की सफाई बल्कि जैव विविधता और इकोसिस्टम को बहाल करने में भी एक प्रेरणा बन गई है।

पश्चिम रेलवे द्वारा अहमदाबाद और दानापुर के बीच समर स्पेशल ट्रेन।

सूत्र/रे.स.ब्यू- पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की मांग व सुविधा को ध्यान में रखते हुए अहमदाबाद और दानापुर के बीच साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन विशेष किराए पर चलाने का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः

ट्रेन संख्या 09407/09408 अहमदाबाद दानापुर अहमदाबाद स्पेशल (14 ट्रिप)

- ट्रेन संख्या 09407 अहमदाबाद दानापुर स्पेशल 6 मई 2025 से 17 जून 2025 तक प्रत्येक मंगलवार को अहमदाबाद से प्रातः 09:20 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 19:00 बजे दानापुर पहुंचेगी।
- इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09408 दानापुर अहमदाबाद स्पेशल ट्रेन 7 मई 2025 से 18 जून 2025 तक प्रत्येक बुधवार को दानापुर से 22:30 बजे प्रस्थान करेगी तथा तीसरे दिन 06:00 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी।

मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन नडियाद, छायापुरी, रतलाम, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुडवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, बक्सर और आरा स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर एवं सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे।

ट्रेन संख्या 09407 की बुकिंग 02 मई 2025 से यात्री आरक्षण केन्द्रों और IRCTC की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

केंद्रीय अस्पताल, उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

सूत्र/रे.स.ब्यू- उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज के केंद्रीय अस्पताल में 26 अप्रैल 2025 को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह पहल एएमए ब्लड बैंक, प्रयागराज के सहयोग से आयोजित की गई थी और रेलवे के रनिंग स्टाफ द्वारा सक्रिय रूप से इसका समर्थन किया गया था। शिविर सुबह 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे के बीच आयोजित किया गया था, जिसका सामूहिक उद्देश्य सुरक्षित रक्त और रक्त उत्पादों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना था, साथ ही स्वैच्छिक, अवैतनिक रक्तदाताओं के निस्वार्थ योगदान को भी स्वीकार करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय अस्पताल, उत्तर मध्य रेलवे के चिकित्सा निदेशक डॉ. एस. के. हांडू ने किया। अपने संबोधन में, डॉ. हांडू ने ऐसे और अधिक शिविरों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से ऐसे देश में जहां बड़ी आबादी है, जिनमें से कई गरीबी रेखा से नीचे रहते हैं। उन्होंने सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने तथा सामुदायिक स्वास्थ्य में सार्थक योगदान देने के लिए अस्पताल और उसके कर्मचारियों के निरंतर प्रयासों की सराहना की। उन्होंने रक्तदान और रक्त घटकों की उपयोगिता के महत्व पर भी जोर दिया। रनिंग स्टाफ की प्रतिक्रिया अत्यधिक सकारात्मक रही, जिसमें कुल 40 यूनिट रक्त सफलतापूर्वक दान किया गया। उनकी उत्साही भागीदारी ने स्वैच्छिक रक्तदान के मूल में निहित परोपकारी भावना को दर्शाया - एक ऐसा कार्य जो न केवल जीवन बचाता है बल्कि समुदाय के भीतर बंधन को भी मजबूत करता है। अपने समापन भाषण में, डॉ. हांडू ने ऐसे प्रयासों में निरंतर एकता का आग्रह करते हुए कहा, ''आइए हम भविष्य में रक्तदान शिविरों की सफलता सुनिश्चित करने के लिए इस महान मिशन में एकजुट हों, जो करुणा और सेवा की भावना को दर्शाता है जो हमारे रेलवे समुदाय के चरित्र को परिभाषित करता है।''

तनाव मुक्त कार्यस्थल की दिशा में पहलः प्रयागराज मंडल ने 'आर्ट ऑफ लिविंग' के साथ किया समझौता

इस कार्यक्रम में तनाव और चिंता से मुक्त होकर खुशी और आनंद के साथ जीवन जीने की कला के विषय में विचार रखे गए ।

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक 30 अप्रैल, 2025 को प्रयागराज मण्डल कार्यालय एवं आर्ट ऑफ लिविंग के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए । इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत आर्ट ऑफ लिविंग रेलवे कर्मचारियों के तनाव प्रबंधन के लिए कार्य करेगी। मण्डल रेल प्रबंधक/ प्रयागराज, श्री रजनीश अग्रवाल के समक्ष बहु विषयक मण्डल प्रशिक्षण संस्थान/कानपुर के प्रधानचार्य, श्री अभिषेक सिंह एवं आर्ट ऑफ लिविंग के पदाधिकारी श्री प्रदीप पाठक ने हस्ताक्षत किये । यह परिवर्तनकारी कार्यक्रम लोको पायलट को तनाव मुक्त होकर सजगता के साथ उत्कृष्ट स्तर पर सेवा करने के लिए सशक्त करेगा। आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के संस्थापक श्री श्री रविशंकर हैं। इस संस्था के 185 से अधिक देशों में केंद्र हैं। वर्तमान समय में संघर्ष और चुनौतियों से भरे जीवन में तनाव और अवसाद से मुक्त होकर खुश रहकर जीवन जीने की कला का नाम ही आर्ट ऑफ लिविंग है। आर्ट ऑफ लिविंग रेलव के कर्मचारियों को तनाव और चिंता से मुक्त होकर जीने की कला के लिए सिखाएगा। आर्ट ऑफ लिविंग सांस लेने की पेटेंटेड तकनीक 'सुदर्शन क्रिया' से स्ट्रेस मैनेजमेंट का कार्य करेगा। सुदर्शन क्रिया एक शक्तिशाली श्वास तकनीक है जो 'आर्ट ऑफ लिविंग' की स्वामित्वयुक्त तकनीक है। रेलवे के लोको पायलट, सहायक लोको पायलट एवं शंटर कार्य बेहद जिम्मेदारी का होता इन महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करने वाले फ्रंटलाइन कर्मचारी अपनी ड्यूटी के दौरान अत्यधिक तनाव से गुजरते हैं। रेलवे के सभी कर्मचारियों को विशेषकर संरक्षा श्रेणी के कर्मचारियों का ड्यूटी के समय तनावमुक्त रहना सुरक्षित संचालन के लिए आवश्यक है। रेल के संरक्षित परिचालन के लिए जरूरी है कि क्रू सदस्य तनाव प्रबंधन सीखें ताकि वे अपनी जिम्मेदारियों को बेहतर और सुरक्षित तरीके से निभा सकें। आर्ट ऑफ लिविंग ''मेडिटेशन और ब्रीद वर्कशॉप फॉर गवर्नमेंट एम्प्ल इज'' नामक पाठ्यक्रम के माध्यम से क्रू सदस्यों के लिए वर्कशॉप आयोजित करेगी। इस अवसर प्रयागराज मण्डल कार्यालय के सभागार में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

''निर्दोष सफर''

सपनों की झोली लिए चले थे,
वादियों में सुकून के गीत पले थे।
किसे पता था, हवाओं में जहर है,
जहाँ अमन था, वहाँ आज कहर है।

ना थे वो सैनिक, ना कोई शस्त्राधारी,
थे बस मुसाफिर–सौम्य, सादगी
के पुजारी।
मिटा दिए गए वो एक पल में यूँ ही,
जैसे बुझा दी हो किसी ने दीवाली की बत्ती।

अब खामोशी नहीं होगी हमारी भाषा,
हर शब्द में गूँजेगी इंसानियत की आशा।
वो गए नहीं, बस रूप बदल बैठे हैं,
अब वो सितारे हैं–जो अमन की राहों
में रहते हैं।

ऋचा अवस्थी – पानीपत

वाणिज्य विभाग द्वारा हिंदी राजभाषा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक 29.04.2025 को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय आगरा में मंडल रेल प्रबंधक आगरा, श्री तेज प्रकाश अग्रवाल एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक, श्री प्रनव कुमार के संरक्षण में वाणिज्य विभाग, आगरा द्वारा राजभाषा प्रदर्शनी लगाई गई, जिसका उद्घाटन अपर मंडल रेल प्रबंधक, श्री प्रनव कुमार ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर और दीप जलाकर किया, अपर मंडल रेल प्रबंधक, श्री प्रनव कुमार ने हिंदी में किए गए कार्यों का अवलोकन कियास वाणिज्य विभाग द्वारा हिंदी में किए जा रहे कार्य की भूरि भूरि प्रशंसा की और भविष्य में इसी प्रकार हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर श्री अनिल सिंह पटेल, मंडल सिगनल एवं दू. संचार इंजी. एवं राजभाषा अधिकारी एवं श्री बी.एस. चौहान, मंडल वाणिज्य प्रबंधक तथा वाणिज्य शाखा एवं राजभाषा शाखा के समस्त कर्मचारी उपस्थित थे।

पाठको से अनुरोध

आपको यह अंक कैसा लगा ?
इसमें आप और क्या परिवर्तन चाहते हैं ?
कृपया अपने सुझावों से अवश्य ही अवगत कराएं जिससे हम पत्रिका में सुधार कर सकें। हमें आपके सुझाव का इंतजार रहेगा।

प्रधान संपादक

संपादकीय

पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष पर्यटकों को श्रद्धांजलि

जम्मू-कश्मीर के लोकप्रिय पर्यटन स्थल पहलगाम में हुआ हालिया आतंकी हमला मानवता के मूल मूल्यों पर एक क्रूर आघात है। इस बर्बर हमले में बेगुनाह पर्यटकों की दुखद मृत्यु ने पूरे देश को शोक और आक्रोश से भर दिया है। शांत वातावरण में सुकून की तलाश में आए यात्रियों को यूँ निशाना बनाया जाना एक निंदनीय, अमानवीय और कायरतापूर्ण कृत्य है। रेल समाचार ब्यूरो परिवार इस भीषण घटना की कड़ी निंदा करता है और दिवंगत पर्यटकों को श्रद्धांजलि अर्पित करता है। हम शोकसंतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हैं और ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उन्हें इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति मिले। साथ ही घायल पर्यटकों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। हम सरकार से अपेक्षा करते हैं कि इस कायराना हमले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को कठोरतम सजा दी जाए और देश के हर नागरिक व पर्यटक की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु प्रभावी कदम उठाए जाएं। ''शांति और सद्भावना ही आतंक के विरुद्ध हमारा सबसे बड़ा उत्तर है। हम एकजुट हैं और रहेंगे।''

बरेका में 'विश्व धरोहर दिवस' पर ऐतिहासिक विरासत की जीवंत प्रदर्शनी–तकनीक, आत्मनिर्भरता और गौरव का संगम

सूत्र/रे.स.ब्यू-बनारस रेल इंजन कारखाना में 'विश्व धरोहर दिवस' का आयोजन इस वर्ष एक भव्य और प्रेरणादायक प्रदर्शनी के रूप में हुआ, जिसकी थीम रहा ''आपदा एवं संघर्ष प्रतिरोधी विरासत विरासत की सुरक्षा हेतु कार्रवाई''। इस मौके पर बरेका के ऐतिहासिक सफर, तकनीकी नवाचारों और अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। महाप्रबंधक श्री नरेश पाल सिंह, प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर श्री विवेक शील एवं सहायक डिजाइन इंजीनियर/बोगी श्री राजेश कुमार शुक्ला के साथ इस अद्वितीय प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन किया। उन्होंने कहा, "बरेका केवल एक कारखाना नहीं, बल्कि भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रगति का प्रतीक है। यह आयोजन हमें अतीत की प्रेरणा और भविष्य की दिशा दोनों प्रदान करता है।" प्रदर्शनी में बरेका निर्मित डीजल रेल इंजन डब्ल्यू डी एम 2 'कुंदन' से इलेक्ट्रिकॉलोको 'डब्ल्यूएपी 7' तक का सफर 1964 में निर्मित पहले स्वदेशी इंजन 'कुंदन' से लेकर आधुनिकतम इंजनों की विकास यात्रा ने दर्शकों को तकनीकी प्रगति की रोमांचक झलक दिखाई। इंजन मॉडल्स की श्रृंखलाः डब्ल्यूडीएम 2, डब्ल्यूडीजी 4 डी, डब्ल्यूडीपी 4 डी आदि इंजनों के तकनीकी विवरण और मॉडल्स ने प्रदर्शनी को अत्यंत शिक्षाप्रद और दर्शनीय बनाया। अंतरराष्ट्रीय निर्यात पर केंद्रित खंडः वियतनाम, बांग्लादेश, म्यांमार, मलेशिया जैसे देशों को निर्यात किए गए इंजनों की प्रस्तुतियाँ भारत की वैश्विक तकनीकी उपस्थिति को उजागर करती हैं। 'मिस मफेट' इंजन की विरासतः ब्रिटिश काल का 1935 में निर्मित 'मिसॉमफेट' इंजन सांस्कृतिक विरासत और तकनीकी इतिहास का सजीव प्रतीक बनकर दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहा।

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सदस्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशिः

१. उच्चतम अधिकारी-5000 रु. मात्र
२. उच्च अधिकारी- 3500 रु. मात्र
३. अधीनस्थ अधिकारी-2500 रु. मात्र
४. रेलकर्मी/अन्य सदस्य-1000 रु. मात्र

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
पंजिकृत कार्यालय
502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
कैंप कार्यालय- अनिल केन (रिपोर्टर) कार्यालय 8439 आर्य नगर पहाड़गंज दिल्ली-55

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव दि. इलाहाबाद ब्लॉक वर्क्स प्रा. लि. 329/255 चक. जीरो रोड इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
आर.एन. आई नं. 51097-90
पोस्ट ए.डी.-8
मो. 9773946044 / 9793956044
फोन नं. 0532-2418040

Scanned with OKEN Scanner

राष्ट्रीय आयुष मिशन कॉन्क्लेव 2025: राज्य और केंद्र शासित प्रदेश देश भर में पारंपरिक स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणाली को मजबूत करने के लिए सहयोग करेंगे

हमारा लक्ष्य एक मजबूत और एकीकृत आयुष ढांचे के जरिए सभी के लिए समग्र स्वास्थ्य के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विजन को आगे ले जाना है: श्री प्रतापराव जाधव, केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री

सूत्र/रे.स.ब्यू- केंद्रीय आयुष मंत्रालय, 1-2 मई 2025 को महाराष्ट्र के लोनावाला स्थित कैवल्यधाम में राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) कॉन्क्लेव 2025 का आयोजन करेगा। यह परिवर्तनकारी दो दिवसीय कार्यक्रम देश में आयुष-आधारित स्वास्थ्य सेवा के भविष्य को आकार देने के लिए एक राष्ट्रीय मंच के रूप में काम करेगा। आयुष विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं, स्वास्थ्य पेशेवरों, शोधकर्ताओं और नवप्रवर्तकों को एक साथ लाते हुए इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य पारंपरिक भारतीय चिकित्सा प्रणालियों को मुख्यधारा की स्वास्थ्य सेवा में एकीकृत करना है - जिससे आम नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवा अधिक सुलभ, किफायती और साक्ष्य-आधारित हो सके। इस सम्मेलन का उद्घाटन केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव द्वारा किया जाना निर्धारित है, जबकि राजस्थान के उपमुख्यमंत्री और भारत के नौ राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य मंत्रियों के भी इस कॉन्क्लेव में भाग लेने की उम्मीद है। आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। मिशन निदेशकों, वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और प्रतिष्ठित शिक्षाविदों सहित राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के आयुष विभागों के अधिकारी भी सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इस कार्यक्रम में पूर्ण सत्र, नीतिगत गोलमेज सम्मेलन, तकनीकी गहन चर्चा, सर्वोत्तम प्रथाओं का प्रदर्शन, राज्यों की सफलता की कहानियां और आयुष क्षेत्र में प्रौद्योगिकी आधारित नवाचार शामिल करने की योजना है। आगामी कार्यक्रम के बारे में बोलते हुए आयुष मंत्री ने उल्लेख किया, ''राष्ट्रीय आयुष मिशन कॉन्क्लेव देश भर में कल्याण और स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए एक सहयोगात्मक इको-सिस्टम को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारा उद्देश्य एक मजबूत और एकीकृत आयुष ढांचे के माध्यम से सभी के लिए समग्र स्वास्थ्य के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विजन को आगे ले जाना है।'' राष्ट्रीय आयुष मिशन सम्मेलन देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा-रिग्पा और होम्योपैथी में नवीनतम विकास, अनुसंधान नवाचारों और क्षेत्रीय सहयोगों पर चर्चा करने के लिए एक जीवंत मंच के रूप में काम करने के लिए तैयार है। यह प्रमुख पहलों के कार्यान्वयन को मजबूत करने, साक्ष्य-आधारित प्रथाओं को बढ़ावा देने और अंतरराष्ट्रीय पहुंच बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। सम्मेलन का उद्देश्य एनएएम योजना के भविष्य के विस्तार की रूपरेखा तैयार करने के लिए मंत्री स्तर की चर्चाएं करना है। आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा, ''आयुष मंत्रालय राष्ट्रीय आयुष मिशन की उपलब्धियों पर विचार करने, उभरती चुनौतियों को संबोधित करने और एक आत्मनिर्भर और मजबूत आयुष स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की ओर मार्ग प्रशस्त करने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कॉन्क्लेव-2025 का आयोजन कर रहा है।'' कॉन्क्लेव के विषयों के बारे में बात करते हुए आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुश्री कविता गर्ग ने बताया, ''कॉन्क्लेव में वित्तीय प्रबंधन, निगरानी और मूल्यांकन, मानव संसाधन सुदृढ़ीकरण, आधुनिक चिकित्सा के साथ एकीकरण और गुणवत्ता आश्वासन सहित विविध विषय शामिल होंगे। यह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से समृद्ध अनुभव साझा करने के साथ-साथ सर्वोत्तम प्रथाओं, आईटी नवाचारों, नियामक तंत्रों तथा निवेश और निर्यात के अवसरों को भी प्रदर्शित करेगा।''

कॉन्क्लेव की मुख्य बातें:

- **दस्तावेज विमोचन:** आयुष नीति 2025 के लिए ब्लूप्रिंट और आयुष चिकित्सा प्रणालियों में चयापचय विकारों पर मानक उपचार दिशानिर्देश (एसटीजी) का शुभारंभ।
- **मॉम्रिस्तरीय गोलमेज बैठक:** केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव के साथ विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य और आयुष मंत्रियों की राष्ट्रीय आयुष मिशन को मजबूत करने पर चर्चा।
- **विशेषज्ञ सत्र:** डीजीएचएस, एनएबीएच, इन्वेस्ट इंडिया, आयुष निर्यात संवर्धन परिषद और प्रमुख संस्थानों द्वारा गुणवत्ता मानकों, मान्यता और निवेश सुविधा पर प्रस्तुतियां।
- **सफल केस स्टडीज:** अधिकांश राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की सर्वोत्तम प्रथाएं।
- **योग सत्र:** कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिनिधियों के लिए निर्देशित योग और ध्यान सत्र भी आयोजित करने की योजना है।

समन्वित स्वास्थ्य सेवा का मार्ग प्रशस्त करने की दिशा में टाटा आईआईएससी मेडिकल स्कूल में एकीकृत चिकित्सा विभाग की स्थापना पर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित।

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारत के पारंपरिक स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एकीकृत दृष्टिकोण के माध्यम से एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, आज टाटा आईआईएससी मेडिकल स्कूल, बेंगलुरु में एकीकृत चिकित्सा विभाग की स्थापना पर चर्चा के लिए एक वर्चुअल बैठक बुलाई गई। बैठक में स्वास्थ्य और शैक्षणिक क्षेत्र के विशेषज्ञ शामिल हुए, जिनमें राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के अध्यक्ष डॉ. बी.एन. गंगाधर, आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा, भारतीय चिकित्सा पद्धति के लिए राष्ट्रीय आयोग (एनसीआईएसएम) के अध्यक्ष वैद्य जयंत देवपुजारी और आईआईएससी बेंगलुरु के नेफ्रोल जी विभाग के उद्घाटन अध्यक्ष और प्रोफेसर प्रो. स्वामीनाथन शामिल थे। इस विचार-विमर्श का केंद्र बिंदु समकालीन चिकित्सा पद्धति की ताकत को आयुर्वेद जैसी पारंपरिक प्रणालियों की समय-परीक्षित विधियों के साथ मिलाने की तत्काल आवश्यकता रहा, ताकि स्वास्थ्य सेवा वितरण, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ाया जा सके। प्रतिभागियों ने एकीकृत चिकित्सा पर एक श्वेत पत्र तैयार करने पर सहमति व्यक्त की, जिसमें नैदानिक अभ्यास, शिक्षाविदों और वैज्ञानिक जांच में इसके दायरे और रणनीतिक अनुप्रयोगों को रेखांकित किया गया। विशेषज्ञ परामर्श और नीति-स्तरीय अनुमोदन के बाद यह दस्तावेज राष्ट्रव्यापी कार्यान्वयन के लिए एक रोडमैप के रूप में काम करेगा। यह पहल आईआईएससी में 'राइज फॉर हेल्दी एजिंग' अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान हुई प्रगतिशील वार्ता का अनुसरण करती है, जहाँ शीर्ष वैज्ञानिकों और आयुष विशेषज्ञों ने एकीकृत चिकित्सा के भविष्य पर चर्चा की। आज की बैठक समन्वित स्वास्थ्य सेवा को संस्थागत बनाने में एक ठोस प्रगति को चिह्नित करती है, जो साक्ष्य-आधारित, रोगी-केंद्रित स्वास्थ्य प्रणालियों के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

भारतीय योग संघ और राज्य शाखाओं ने हरित योग पहल के तहत राष्ट्रव्यापी पौधरोपण अभियान के साथ विश्व पृथ्वी दिवस मनाया

सूत्र/रे.स.ब्यू- 22 अप्रैल 2025 को विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर भारतीय योग संघ (IYA) ने अपनी राज्य शाखाओं और एमडीएनआईवाई के सहयोग से 'हरित योग' पहल के अंतर्गत राष्ट्रव्यापी पौधरोपण अभियान आयोजित किया। यह पहल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (IDY) 2025 के दस प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है, जिसका उद्देश्य योग और पर्यावरणीय चेतना के बीच गहरे संबंध को उजागर करना है। इस अभियान में तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, नागालैंड, दिल्ली, कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पुणे और जयपुर सहित 12 राज्य अध्यायों ने भाग लिया। एमडीएनआईवाई, दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में आयुष मंत्रालय के ओएसडी-आईडीवाई समन्वय श्री पी.एन. रंजीत कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और पर्यावरण-जागरूक जीवन शैली की आवश्यकता पर बल दिया। जयपुर में विशेष योग सत्र, आयुर्वेदिक पेय वितरण और मानव श्रृंखला जैसे आयोजन हुए। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के पाटन तहसील में औषधीय पौधों का रोपण कर ट्री गार्ड लगाए गए। इस अभियान में प्रकृति क्लब, एनजीओ, योग संस्थान और सरकारी निकाय शामिल हुए। आईवाईए अध्यक्ष डॉ. हंसाजी योगेंद्र ने कहा कि यह पहल योग और टिकाऊ जीवन के बीच अंतर्निहित संबंध को रेखांकित करती है। स्वामी चिदानंद सरस्वती, स्वामी भारत भूषण, डॉ. आनंद बालयोगी भवनानी, गंगा नंदिनी, आचार्य प्रतिष्ठा, डॉ. मृदुला और सुनीला एथली सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने अपने विचार साझा किए। भुवनेश्वर में आयुष मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने IDY-2025 के 75वें दिन 'हरित योग' का शुभारंभ किया। यह अभियान योग, पौधरोपण, जल संरक्षण, समुद्र तट सफाई और इको-योग जैसे अनुभवों के माध्यम से सचेतन, पर्यावरणीय रूप से उत्तरदायी जीवन शैली को बढ़ावा देता है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025: 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' थीम के साथ विश्वव्यापी आयोजन की तैयारी तेज

आयुष मंत्रालय का यह प्रयास योग को न केवल उत्सव, बल्कि एक स्वस्थ जीवन की ओर वैश्विक जनआंदोलन बनाने का है।

सूत्र/रे.स.ब्यू- आयुष मंत्रालय ने आगामी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 (IDY 2025) के आयोजन की तैयारी को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। आकाशवाणी के विशेष कार्यक्रम "पोस्ट बॉक्स नंबर 111" में आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने इस वर्ष की थीम ''एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग'' की घोषणा की, जो वसुधैव कुटुंबकम की वैश्विक अवधारणा को साकार करता है। IDY 2025, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की 10वीं वर्षगांठ मनाएगा और इसके तहत 10 प्रमुख गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी, जो योग की समग्रता और इसके समाज पर प्रभाव को प्रदर्शित करेंगी:

- योग संगम 21 जून को भारत के 1 लाख से अधिक स्थलों पर सामूहिक योग अभ्यास।
- योग बंधन भारतीय दूतावासों के सहयोग से 10 देशों में अंतरराष्ट्रीय योग सत्र।
- योग पार्क 1,000 योग पार्कों का निर्माण या उन्नयन।
- योग समावेश दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिकों और बच्चों के लिए विशिष्ट कार्यक्रम।
- योग प्रभाव 2015-2025 तक योग के सामाजिक और स्वास्थ्य प्रभाव का मूल्यांकन।
- योग कनेक्ट वैश्विक योग शिखर सम्मेलन जिसमें योगगुरु और स्वास्थ्य विशेषज्ञ शामिल होंगे।
- हरित योग पर्यावरण संरक्षण के साथ योग गतिविधियाँ।
- योग अनप्लग्ड युवाओं के लिए ऑफलाइन और डिजिटल योग कार्यक्रम।
- योग महाकुंभ 10 शहरों में सप्ताह भर चलने वाला योग महोत्सव।
- संयोग समकालीन चिकित्सा प्रणालियों में योग का एकीकरण।

वैद्य राजेश कोटेचा ने बताया कि भारत में करीब 2.5 करोड़ परिवारों में एक व्यक्ति प्रतिदिन योग करता है। इसके अलावा, आयुष मंत्रालय द्वारा संचालित पायलट परियोजना में योग और आयुर्वेद आधारित हस्तक्षेपों से जीवनशैली जनित विकारों में सुधार देखा गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वैश्विक प्रयासों के तहत आयुष मंत्रालय योग और आयुर्वेद का प्रचार-प्रसार कर रहा है, और इन प्रणालियों को अन्य भाषाओं में अनुवाद करने की योजना पर काम कर रहा है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 की 100-दिवसीय उलटी गिनती पर प्रयागराज में 'YOGOTSAV' का आयोजन

सूत्र/रे.स.ब्यू-रेलवे पैसेंजर्स सेफ्टी एंड अमेनिटीज एसोसिएशन ने मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, आयुष मंत्रलय के सहयोग से कराया सफल आयोजन दिनांक 13 अप्रैल 2025 को रेलवे पैसेंजर्स सेफ्टी एंड अमेनिटीज एसोसिएशन ने मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, आयुष मंत्रालय के सहयोग से "YOGOTSAV" का सफल आयोजन मंडल रेल प्रबंधक सभागार, प्रयागराज में किया। इस स्फूर्तिदायक कार्यक्रम में उत्तर मध्य रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल (RPF) और लोको पायलटों की विशेष भागीदारी ने कार्यक्रम में अनुशासन और जोश का संचार किया। योग सत्र का संचालन एक अनुभवी योगाचार्य द्वारा किया गया, जिसमें शारीरिक ऊर्जा, मानसिक संतुलन और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाले योग अभ्यास शामिल थे। यह आयोजन "100 दिन, 100 स्थान" राष्ट्रव्यापी अभियान का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य योग को जन-जन तक पहुँचाना और समाज में स्वस्थ, सुरक्षित जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस अवसर पर श्री ज्ञानेंद्र कुमार और वरिष्ठ भाजपा नेता श्री जयंती श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। श्री श्रीवास्तव ने RPF और लोको पायलटों की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि रेलवे समुदाय में योग को बढ़ावा देना एक सराहनीय पहल है। यह कार्यक्रम न केवल योग के महत्व को रेखांकित करने वाला कार्यक्रम बना, बल्कि यह भी दर्शाता है कि रेलवे पैसेंजर्स सेफ्टी एंड अमेनिटीज एसोसिएशन रेलवे परिवार के कल्याण और जागरूकता में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

विश्व उच्च रक्तचाप दिवस: Silent Killer से लड़ने की जरूरत

सूत्र/रे.स.ब्यू- हर वर्ष 17 मई को विश्व उच्च रक्तचाप दिवस (orld Hypertension Day) मनाया जाता है। इसका उद्देश्य है लोगों को इस गंभीर लेकिन अक्सर नजर अंदाज किए जाने वाले रोग के बारे में जागरूक करना, जिससे विश्वभर में असमय मृत्यु और हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है। यह दिवस World Hypertension League (WHL) द्वारा वर्ष 2005 में आरंभ किया गया था।

क्या है उच्च रक्तचाप?

उच्च रक्तचाप (Hypertension) वह स्थिति है, जब रक्त हमारे धमनियों में अत्यधिक दबाव के साथ प्रवाहित होता है। सामान्य रक्तचाप का स्तर 120/80 mmHg होता है। यदि यह स्तर बार-बार 140/90 mmHg या अधिक मापा जाए, तो इसे उच्च रक्तचाप माना जाता है।

इसे 'Silent Killer' क्यों कहा जाता है?

हाई ब्लड प्रेशर को 'साइलेंट किलर' कहा जाता है क्योंकि इसके लक्षण प्रारंभिक चरणों में स्पष्ट नहीं होते, पर यह शरीर के भीतर गंभीर नुकसान करता रहता है विशेषकर हृदय, मस्तिष्क, गुर्दे और आंखों को।

आँकड़ों की नजर से: विश्व में उच्च रक्तचाप की स्थिति

मार्च 2023 तक के आंकड़ों के अनुसार

- 1.28 अरब वयस्क (उम्र 30-79 वर्ष) उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं।
- इनमें से दो-तिहाई लोग निम्न और मध्यम-आय वाले देशों में रहते हैं।
- अनुमानत: 46% वयस्कों को यह तक पता नहीं होता कि उन्हें यह समस्या है।
- केवल 42% लोगों का ही निदान और उपचार हो पाता है।
- और मात्र 21% लोगों का ही रक्तचाप नियंत्रण में रहता है।
- यह रोग विश्वभर में असमय मृत्यु का एक प्रमुख कारण है।

भारत में स्थिति

भारत में यह रोग महामारी का रूप ले चुका है। ICMR की रिपोर्ट बताती है कि हर तीसरा भारतीय वयस्क उच्च रक्तचाप से ग्रस्त है। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में यह समस्या तेजी से बढ़ रही है, जहां जागरूकता और जांच की भारी कमी है।

मुख्य कारण:

- **अनियमित जीवनशैली** - शारीरिक निष्क्रियता, नींद की कमी, तनाव
- **खानपान में असंतुलन** - अधिक नमक, तैलीय व जंक फूड
- **धूम्रपान व शराब** - रक्त वाहिकाओं को नुकसान
- **वंशानुगत प्रभाव** - यदि परिवार में इतिहास हो
- **मोटापा** - विशेष रूप से पेट की चर्बी

लक्षण जो अक्सर अनदेखे रह जाते हैं:

- सिरदर्द, चक्कर आना
- थकान, सांस फूलना
- आंखों में धुंधलापन
- छाती में दबाव या भारीपन
- अनियमित हृदयगति

रोकथाम एवं नियंत्रण:

- नियमित जांच 30 वर्ष की उम्र के बाद नियमित रूप से BP चेक कराना
- संतुलित आहार - नमक कम, फल-सब्जियाँ अधिक
- नियमित व्यायाम - तेज चलना, योग, प्राणायाम
- तनाव नियंत्रण - ध्यान, समय प्रबंधन, सकारात्मक सोच
- धूम्रपान व शराब से बचाव
- चिकित्सकीय सलाह अनुसार दवाओं का सेवन

विश्व उच्च रक्तचाप दिवस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि कहीं हम अनजाने में किसी गंभीर खतरे को नजरअंदाज तो नहीं कर रहे। यदि हम समय रहते सतर्क हो जाएं, तो उच्च रक्तचाप से न केवल खुद को बल्कि अपने परिवार को भी गंभीर बीमारियों से बचा सकते हैं।

"BP की नियमित जांच कराएं, जीवन को लंबा और स्वस्थ बनाएं।"

Scanned with OKEN Scanner

CHILL BY RAIL: SCENIC & COOL SUMMER GETAWAYS NEAR RAILWAY STATIONS IN INDIA -MAY 2025

If you're looking to escape the scorching summer heat, these cool destinations, easily accessible by train, offer a refreshing break. From scenic hill stations to serene lakes, here's a detailed look at some of the best cold travel destinations near railway stations in India.

SHIMLA, HIMACHAL PRADESH

Nearest Railway Station: Shimla Railway Station (via Kalka-Shimla Railway)

Why Visit: Nestled in the Shivalik Hills, Shimla has been a favorite for those seeking a cool retreat, especially during the hot summer months. With its pleasant climate, colonial architecture, and lush pine forests, it offers both tranquility and adventure.

What to See:

The Ridge: A broad open space in the heart of Shimla, where you can enjoy the stunning view of snow-capped peaks. It's perfect for a relaxed stroll.

Jakhoo Temple: Perched atop Jakhoo Hill, the temple is dedicated to Lord Hanuman. The walk up offers a panoramic view of Shimla and the surrounding valleys.

Mall Road: A bustling shopping street lined with cafes, boutiques, and small shops. It's ideal for a leisurely evening walk.

Kalka-Shimla Toy Train: This UNESCO World Heritage toy train ride offers breathtaking views of valleys, mountains, and forests along the 96-km stretch from Kalka to Shimla.

DARJEELING, WEST BENGAL

Nearest Railway Station: New Jalpaiguri Junction (NJP) Why Visit: Known for its tea plantations and spectacular views of Mount Kanchenjunga, Darjeeling offers a cool climate throughout May. The hill station blends natural beauty with a rich colonial history.

What to See:

Tiger Hill: Famous for its sunrise view, where the first rays of the sun illuminate Kanchenjunga, the world's third-highest peak.

Batasia Loop: This railway loop is an engineering marvel and offers splendid views of Darjeeling town and the surrounding mountains.

Darjeeling Toy Train: Take a ride on this UNESCO-listed toy train for an unforgettable journey through the rolling hills and tea gardens.

Peace Pagoda: Located on the slopes of the Jalapahar Hill, the Peace Pagoda is a symbol of peace and tranquility, offering beautiful views of the town and its surroundings.

Padmaja Naidu Himalayan Zoological Park: This high-altitude zoo is home to rare species such as the snow leopard, red panda, and Himalayan wolf.

MUNNAR, KERALA

Nearest Railway Station: Aluva Railway Station (approximately 110 km away) Why Visit: Munnar, a hill station nestled in the Western Ghats, is famous for its tea gardens, mist-covered valleys, and cool climate. The natural beauty of Munnar, with its rolling hills and scenic landscapes, makes it a perfect getaway from the summer heat.

What to See:

Tea Gardens: Munnar is known for its vast tea estates. You can take a walk through the plantations, enjoying the aroma of freshly plucked tea leaves.

Eravikulam National Park: A must-visit for wildlife enthusiasts, this park is home to the endangered Nilgiri Tahr and offers fantastic trekking opportunities.

Mattupetty Dam: Located amidst scenic mountains, the dam offers boating facilities, providing a tranquil experience surrounded by nature.

Attukal Waterfalls: A serene waterfall situated in a beautiful location, perfect for a peaceful retreat.

OOTY, TAMIL NADU

Nearest Railway Station: Ooty Railway Station (via Nilgiri Mountain Railway) Why Visit: Known as the "Queen of Hill Stations," Ooty offers cool weather, picturesque lakes, botanical gardens, and tea plantations. The town is ideal for those looking to relax amidst nature.

What to See:

Botanical Gardens: Spread over 55 acres, the gardens feature a vast array of plant species, including rare and exotic ones, along with well-maintained lawns and walking paths.

Ooty Lake: A serene place perfect for boating, cycling, or a casual stroll around the lake.

Doddabetta Peak: The highest point in Ooty, offering breathtaking views of the Nilgiri Hills and the surrounding valleys.

Nilgiri Mountain Railway: This toy train journey is a UNESCO World Heritage experience, passing through forests, steep climbs, and breathtaking views.

MUSSOORIE, UTTARAKHAND

Nearest Railway Station: Dehradun Railway Station (approximately 35 km away) Why Visit: Mussoorie, located in the foothills of the Garhwal Himalayas, has long been a popular destination for its pleasant weather, colonial charm, and stunning views.

What to See:

Kempty Falls: A beautiful waterfall located just outside Mussoorie. You can enjoy a peaceful time at the foot of the falls or take a dip in the cool waters.

Gun Hill: The second-highest point in Mussoorie, it offers a spectacular panoramic view of the town and the surrounding mountains.

Camel's Back Road: A scenic road lined with trees, perfect for a peaceful walk or a horse ride.

Mussoorie Lake: A man-made lake, ideal for boating, with a picturesque backdrop of lush greenery and the hills.

NAINITAL, UTTARAKHAND

Nearest Railway Station: Kathgodam Railway Station (approximately 35 km away) Why Visit: Nainital is famous for its beautiful lakes and pleasant weather. It is a charming hill station that offers a perfect blend of nature and tranquility.

What to See:

Naini Lake: The heart of Nainital, where you can enjoy boating, or simply relax along the promenade with views of the surrounding hills.

Naina Devi Temple: A sacred temple dedicated to Goddess Naina Devi, located on the northern shore of Naini Lake.

Tiffin Top: Also known as Dorothy's Seat, this viewpoint offers spectacular views of the entire Nainital town, the lake, and the surrounding hills.

Snow View Point: Accessible by cable car, this viewpoint offers a panoramic view of the snow-covered peaks of the Himalayas.

KULLU, HIMACHAL PRADESH

Nearest Railway Station: Joginder Nagar Railway Station (approximately 50 km away)

Why Visit: Kullu, located in the Beas River Valley, offers cool weather and a peaceful atmosphere, making it a great place to relax and explore nature.

What to See:

Great Himalayan National Park: A UNESCO World Heritage site, this park is rich in biodiversity and offers hiking and trekking opportunities.

Raghunath Temple: A prominent temple dedicated to Lord Rama, known for its serene atmosphere and beautiful architecture.

Manikaran Hot Springs: Known for its healing waters, these hot springs are situated in the Parvati Valley and attract both pilgrims and nature lovers.

Kullu Valley: Explore the valley's lush greenery, apple orchards, and serene environment, perfect for a peaceful retreat.

These cold destinations are easily accessible by train and provide a perfect escape from the scorching summer heat. Whether you're seeking adventure, spirituality, or just a peaceful retreat in nature, these places offer something for everyone

DELHI METRO PAYS TRIBUTE TO INDIA'S BRAVEST WITH NEW ART INSTALLATION ON PINK LINE

Source/DMRC- The Delhi Metro Rail Corporation (DMRC) has unveiled a tribute to the nation's bravest heroes at the Sir M. Vishweshwaraiah Moti Bagh Metro station on the Pink Line. An entire platform wall has been dedicated to showcasing the portraits of the Param Vir Chakra (PVC) awardees, India's highest military decoration. The Param Vir Chakra, awarded for extraordinary bravery in the face of the enemy, has been bestowed 21 times, with 14 of these awards posthumously. The DMRC's installation features vivid, lifelike portraits of these gallant warriors, each accompanied by a brief description of their heroic deeds. The artwork captures the spirit, courage, and selflessness of these soldiers who made the ultimate sacrifice for the nation. This installation is a reminder of the sacrifices made by India's armed forces and serves as an inspiration to commuters. It celebrates the values of courage, sacrifice, and patriotism, instilling national pride among the public. In addition to this tribute, DMRC has honoured India's military heroes in other ways. Stations like Major Mohit Sharma Rajendra Nagar, Arjan Garh, and Brigadier Hoshiar Singh Station are named after distinguished officers. DMRC also curates a permanent exhibition, "Veerta Aur Vikas," at Rajouri Garden Metro station, dedicated to the gallantry award recipients of the Indian Armed Forces. With this new installation, Delhi Metro not only improves commuter experience but also strengthens community engagement with India's rich history and cultural heritage, fostering a sense of gratitude and pride in the nation's military legacy.

RITES Secures ₹28 Crore Consultancy Contract from Mahanadi Coalfields

Source/RSB- RITES Ltd. has secured a ₹28 crore contract from Mahanadi Coalfields Limited (MCL) to provide detailed engineering and project management consultancy services. The scope of work includes developing rail connectivity for the proposed Phase-II SILO at MCL's Lakhanpur area. The project is expected to be executed over a period of 24 months. RITES has clarified that the agreement involves no related party transactions, and no involvement of the promoter, promoter group, or associated entities is linked to the awarding of this contract.

Scan the Code for the Latest Verified
RAILWAYS NEWS ON OUR WEBSITE OR E-PAPER
हमारी वेबसाइट या ई-पेपर पर भारतीय रेलवे के सत्यापित समाचार को पढ़ने के लिए कोड को स्कैन करें
www.railsamacharbureauald.com
SCAN QR

Scanned with OKEN Scanner

Union Ministers Shri Ashwini Vaishnaw and Shri V. Somanna lead historic tribute to Shri Basaveshwara at Parliament House, marking first-ever floral homage at Prerana Sthal

Legacy of 12th-century reformer Saint Basavanna honoured at national stage; leaders recall his democratic ideals, vision for equality and inclusive society

Source/RSB- Union Minister for Railways, Shri Ashwini Vaishnaw, and Minister of State for Railways, Shri V. Somanna, offered floral tributes on April 30 at the statue of Jagajyothi Shri Basaveshwara at Prerana Sthal, Parliament House, New Delhi, to commemorate his 894th birth anniversary. This marked the first time the occasion was observed at this venue, reflecting the Government's recognition of the revered social reformer's legacy. Saint Basavanna, was a revolutionary figure of the 12th century, championed the message of equality and propagated the principle of "work is worship". He strived tirelessly to build a society founded on the dignity of labour. It is vital to acknowledge that his visionary work in the 12th century laid the essential groundwork for many principles that underpin modern democracy. Lord Basaveshwara was a great reformer and a great administrator. The teachings of Lord Basaveshwara are the source of spiritual knowledge, as well as serve as the practical guide to our lives. His teachings teach us to be a better human being, and to make our society liberal, kind and humane. He had guided our society on issues of social and gender equality, several centuries ago. Lord Basaveshwara laid the foundations of a democracy, which prioritises and promotes the rights of person, standing on the last rungs of the society. He did not just preach about the reforms he wanted in the individuals or in the society but also adopted and inculcated them in his own life. Saint Basavanna believed in casteless society and advocated its eradication for an equal and just society. He promoted the idea of love and compassion for all living beings. Saint Basavanna had set an example hundreds of years ago of universal and all-encompassing democracy in Kannada society through Anubhav Mandapam. Saint Basavanna gave beautiful and simple solutions through his sayings, to the problems of every section of the society. Teachings of Saint Basavanna will help not only Karnataka but the entire country and the world to move ahead on the path of peace, harmony and inclusive democracy. The ceremony was graced by the divine presence of Jagadguru Shri Basava Jaya Mrutyunjaya Swamiji from Kudalsangam Lingayat Panchamasali Peetha. Union Ministers Shri Kiren Rijju, and Shri Pralhad Joshi, Union Ministers of State Smt. Shobha Karandlaje, Shri Ravneet Singh Bittu, and Shri Rajbhushan Choudhary, as well as Members of Parliament Shri P.C. Gaddigoudar, Shri Tejasvi Surya, Rajya Sabha MPs Shri Iranna B. Kadadi, Shri Annasaheb Jolle, and Smt. Shashikala Jolle, among other dignitaries and revered spiritual leaders were present.

Indian Railways Marks 172 Years of Progress: From Steam Engines to Semi-High-Speed Trains

Source/RSB- On **April 16, 1853,** the first train in India chugged out from **Mumbai to Thane,** covering a distance of **34 km.** That historic journey didn't just connect two cities-it launched a new era of industrial growth, social mobility, and national integration. Over the last **172 years**, Indian Railways has evolved into a global giant, now ranking as the **fourth-largest railway network in the world,** and serving as the daily lifeline for **over 140 crore Indians.**

A Decade of Unprecedented Transformation

In the past 10 years under the leadership of Prime Minister Narendra Modi, Indian Railways has undergone a transformational journey marked by speed, safety, sustainability, and service quality. The emphasis has been on modernization while preserving the legacy of this national asset.

Key Achievements:

Vande Bharat Express:

India's first semi-high-speed, fully indigenous train has redefined rail travel, offering passengers enhanced speed, comfort, and safety. These modern trains now connect major cities with efficiency and elegance.

Bullet Train Project

Work is in full swing on India's first High-Speed Rail Corridor between Mumbai and Ahmedabad, which will bring cutting-edge Japanese Shinkansen technology to Indian soil.

Amrit Bharat Station Scheme:

More than 1,500 railway stations across India are being redeveloped with modern amenities, better accessibility, food courts, digital displays, and world-class architecture to enhance passenger experience.

Electrification & Clean Energy:

Indian Railways has achieved record electrification and is moving rapidly toward becoming a net-zero carbon emitter by 2030, adopting solar, wind, and alternative energy sources on a large scale.

Kavach Safety System:

In indigenously developed Automatic Train Protection System, Kavach is being rolled out to prevent collisions and enhance operational safety across high-density routes.

Cleanliness & Smart Upgrade:

From clean coaches and bio-toilets to paperless ticketing and AI-powered operations, Indian Railways is embracing digital and sustainable innovations for a better travel experience.

Symbol of New India

What began as a modest steam-powered route in 1853 has today become a symbol of New India's ambition and resilience. Indian Railways is not only a mode of transportation but also a driving force behind the country's economic growth, regional connectivity, and technological advancement. With bold reforms and futuristic planning, Indian Railways continues its journey-faster, greener, safer, and more inclusive than ever before

Shri Vivek Kumar Gupta Leads Two-Day Inspection of Mumbai-Ahmedabad Bullet Train Project

Source/RSB- Shri Vivek Kumar Gupta, Managing Director of NHSRCL, recently spearheaded a comprehensive two-day inspection of the Mumbai-Ahmedabad Bullet Train project. He was accompanied by a team of directors, contractors, consultants, and senior officials to assess the ongoing progress of this landmark initiative.The inspection aimed to evaluate various facets of the project, ensuring that strict safety protocols and quality standards are being adhered to throughout. The team closely examined the development of key bullet train stations in Vadodara, Anand, Ahmedabad, and Sabarmati. They also assessed the progress of track laying works, which are crucial to the timely completion of the project. In addition to the stations and tracks, the team visited several important construction sites, including the steel bridge at Nadiad, the ongoing river bridge construction, and the rolling stock depot at Sabarmati. The inspection also included a review of construction activities along the railway lines, which are integral to the successful operation of the high-speed train corridor.The two-day inspection reflects the commitment of NHSRCL to ensuring the Mumbai-Ahmedabad Bullet Train project is completed on time, with the highest standards of safety and quality.

New Mancotta Railway Over Bridge Inaugurated by Chief Minister of Assam

Source/RSB-A new Railway Over Bridge (ROB) at Mancotta in Dibrugarh, Assam, has been inaugurated to improve connectivity and ease traffic congestion in the area. The bridge has been constructed by IRCON International as part of the Lumding–Dibrugarh railway electrification project. This ROB was inaugurated by Shri Himanta Biswa Sarma, Hon'ble Chief Minister of Assam, in the august presence of Shri Sarbananda Sonowal, Hon'ble Union Minister of Ports, Shipping and Waterways, and Shri Prasanta Phukan, Minister of Power, Government of Assam, on 27th April at Dibrugarh. The new bridge replaces an old 60-year-old structure and was completed in just 22 months at a cost of ₹60 crore. Located at one of Dibrugarh's busiest junctions, the bridge now has a vertical clearance of 6.55 meters, increased from 4.84 meters, meeting the required standards for smooth electric train operations from Dibrugarh Town Station. This development is expected to support safer and faster train movements while also easing road traffic in the region.

DFCCIL and AIMA Forge Strategic Partnership for Management Excellence

Source/RSB- In a major step towards enhancing professional capacity and organizational development, DFCCIL signed a Memorandum of Understanding (MoU) with AIMA on April 29 at its Corporate Office in Noida. This strategic collaboration combines DFCCIL's infrastructure leadership with AIMA's renowned expertise in management training. The partnership aims to strengthen knowledge development, capacity building, and leadership skills across various levels of operation. Through this initiative, both organizations will jointly work on specialized training modules, workshops, and development programs to empower a future-ready workforce and drive operational excellence. The MoU marks a significant milestone in DFCCIL's ongoing efforts to build a highly skilled, agile, and innovative workforce aligned with the dynamic needs of the logistics and infrastructure sectors.

Scanned with OKEN Scanner

CMD CONCOR Meets UP CM to Discuss Logistics Infrastructure Development

Source/RSB- Shri Sanjay Swaroop, Chairman and Managing Director of Container Corporation of India Ltd. (CONCOR), along with senior officials of the company, met Hon'ble Chief Minister of Uttar Pradesh, Shri Yogi Adityanath, to discuss key initiatives undertaken by CONCOR and its future roadmap for strengthening logistics infrastructure across the country.During the meeting, CMD CONCOR briefed the Chief Minister on the corporation's ongoing and upcoming projects aimed at boosting multi-modal logistics connectivity and enhancing trade facilitation. Shri Swaroop highlighted CONCOR's commitment to contributing to the vision of a robust and efficient supply chain network, with a special focus on Northern India.The Government of Uttar Pradesh, in turn, assured full support to CONCOR in all its initiatives and expressed its willingness to work closely for infrastructure development and economic growth in the region.This strategic interaction is expected to pave the way for deeper collaboration between CONCOR and the state government, fostering innovation and investment in logistics and transportation.

MP Shri K.R. Suresh Reddy Discusses Rail Development Plans with SCR General Manager

Source/SCR- Shri K.R. Suresh Reddy, Hon'ble Member of Parliament, Rajya Sabha, met Shri Arun Kumar Jain, General Manager, South Central Railway (SCR), at Rail Nilayam, Secunderabad on April 29, 2025. During the meeting, both dignitaries engaged in detailed discussions on various ongoing and proposed railway development projects in the region. The MP emphasized the need for enhanced infrastructure, better passenger amenities, and improved rail connectivity for the socio-economic growth of the area. Shri Arun Kumar Jain assured full cooperation from South Central Railway in expediting the implementation of key rail projects and reaffirmed the commitment of the zone towards regional development. The interaction highlighted the importance of collaborative efforts between elected representatives and railway officials to boost infrastructure and public services.

GM Shri Mukul Saran Mathur Inspects Vijayapura Railway Station Redevelopment Works

Source/RSB-General Manager of South Western Railway, Shri Mukul Saran Mathur, conducted an inspection of the ongoing redevelopment works at Vijayapura railway station on April 26. The station is being upgraded under the Amrit Bharat Station Scheme, which aims to modernize key railway stations across the country. Accompanied by Divisional Railway Manager of Hubballi, Smt. Bela Meena, and other senior officials, the General Manager reviewed the progress of infrastructure enhancements, passenger amenities, and aesthetic improvements planned under the scheme. Prior to reaching Vijayapura, Shri Mathur carried out a window-trailing inspection of the Tadwal–Vijayapura section, during which he evaluated several operational and safety parameters of the route. En route, he also inspected the Bhima River bridge, a critical part of the section, to assess its structural condition and maintenance standards.

आवश्यक सूचना

रेल प्रशासन द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये निम्नलिखित ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों का संचालन का निर्णय लिया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

गाड़ी सं. 04813/04814 भगत की कोठी-दानापुर विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं.-04813 भगत की कोठी-दानापुर			गाड़ी सं.-04814 दानापुर- भगत की कोठी	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
—	17:20	भगत की कोठी	01:00	----
03:00	03:05	ईदगाह	13:45	13:50
04:05	04:10	टूण्डला	12:45	12:50
05:28	05:30	इटावा	11:05	11:07
07:15	07:20	गोविन्दपुरी	09:00	09:05
09:02	09:04	फतेहपुर	07:28	07:30
10:30	10:35	प्रयागराज जं.	05:50	05:55
12:00	12:02	मिर्ज़ापुर	03:18	03:20
17:15	-----	दानापुर	-----	18:45

भगत की कोठी से:- गाड़ी संख्या 04813, प्रत्येक बुधवार दिनांक 23.04.2025 से 25.06.2025.तक। **दानापुर से :-** गाड़ी संख्या 04814, प्रत्येक गुरुवार दिनांक 24.04.2025 से 26.06.2025 तक। **गाड़ी संरचनाः-** सामान्य श्रेणी- 04 एवं स्लीपर श्रेणी- 16

गाड़ी सं. 09037/09038 उधना -बरौनी विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 09037 उधना -बरौनी			गाड़ी संख्या - 09038 बरौनी - उधना	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	05:45	उधना	04:00	----
02:00	02:02	मानिकपुर	08:25	08:27
03:45	03:50	प्रयागराज छिवकी	03:55	04:00
15:00	----	बरौनी	----	18:30

उधना से:- गाड़ी संख्या 09037, प्रत्येक रविवार 04, 11, 18, 25 मई 2025 एवं 01, 08, 15, 22, 29 जून 2025

बरौनी से :- गाड़ी संख्या 09038, प्रत्येक सोमवार 05, 12, 19, 26 मई 2025 एवं 02, 09, 16, 23, 30 जून 2025, **गाड़ी संरचनाः-** सामान्य श्रेणी- 04 एवं स्लीपर श्रेणी- 18

नोटः- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 743/25 (A)

Scanned with OKEN Scanner